जबलपुर
गुरुवार 19 फरवरी 2026

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

SHOWROOMS: MADHYA PRADESH: JABALPUR: RENAULT **JABALPUR (KARMETA)** Ph: 7290014986, RENAULT **JABALPUR WEST** Ph: 7291980314. RENAULT **AGAR** Ph: 8448220030. RENAULT **BHOPAL NEW** Ph: 9289220870. RENAULT **CHHATARPUR** Ph: 7603868297. RENAULT **CHHINDWARA** Ph: 9667215285. RENAULT **DAMOH** Ph: 9289263623. RENAULT **GWALIOR CITY** Ph: 8448383235. **INDORE:** RENAULT **INDORE** Ph: 9821199958, RENAULT **INDORE EAST** Ph: 9289263821. RENAULT **MANDSAUR** Ph: 8448220394. RENAULT **SAGAR** Ph: 9311340949. RENAULT **SATNA** Ph: 7290094892. RENAULT **SHAHDOL** Ph: 7029805696. RENAULT **UJJAIN** Ph: 8448220031.

मध्यप्रदेश 2026-27

बजट

हरिभूमि

बजट भूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रजासुखे सुखम राजः, प्रजानाम च हितम-हितम

अर्थात, प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है प्रजा के हित में ही राजा का हित है

वित्त मंत्री बोले

हर हाथ को काम, हर उपज को दाम नारी को निर्णय का अधिकार, युवाओं के हौसलों का प्रसार

मौजों के थपेड़े से डरकर जो साहिल पर रुक जाते हैं वो लोग कहां कश्ती अपनी, तूफां में उतारा करते हैं

देवड़ा के निवास पर उनकी पत्नी श्रीमती रेणु देवड़ा ने तिलक लगाकर रवाना किया।

विकास का बही-खाता

नारी कल्याण		किसान कल्याण		शिक्षा		अधोसंरचना	
1 लाख 27 हजार 555 करोड़	जल जीवन मिशन 4 हजार 476 करोड़	1 लाख 15 हजार करोड़	सोलर सिंचाई पंप 3 हजार करोड़ रुपए	36 हजार 730 करोड़	सांदीपनि विद्यालय 3 हजार 892 करोड़	12 हजार 690 करोड़	ऊर्जा क्षेत्र 34 हजार 65 करोड़

इस बार साइज 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने लगातार छठवीं बार मप्र का बजट पेश किया

1 घंटे 30 मिनट तक बजट भाषण पढ़ा

रोलिंग बजट प्रस्तुत करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य

अन्नदाता के श्रम से खेतों में स्वर्ण निखरता है। उन्नत बीज और तकनीक से भाग्य नया अब सजता है। समर्थ किसान और समर्थ डगर की नई कहानी है, धरती पुत्र के स्वाभिमान में विकसित मप्र की कहानी है

पिछली बार का बजट 'ज्ञान' आधारित था, इस बार का बजट 'ज्ञानी' आधारित

'ज्ञान' अब और हुआ.... 'ज्ञानी'

यानी...गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के साथ इस बार जोड़ी गई दो 'आई' अर्थात इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री

सबका साथ सबका विकास

स्वास्थ्य

सीएम केयर योजना के तहत 300 करोड़ का प्रावधान

- ग्रामीण चिकित्सा संस्थान उन्नयन पर 169 करोड़
- चिकित्सा कॉलेज उन्नयन : 650 करोड़ का प्रावधान

पीएम आवास योजना

6800 करोड़

- पीएम आवास योजना के तहत शहरी क्षेत्र के लिए 250 करोड़ रुपए
- पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40062 करोड़ का प्रावधान

जनजाति बहुल क्षेत्र

15,015 करोड़ का प्रावधान

- पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ और जी रामजी के लिए 10428 करोड़ के प्रावधान

सड़क

12

- पुलों का पुर्ननिर्माण 4572 करोड़
- सीएम मजरा टोला सड़क योजना : 21630 करोड़

भोपाल-इंदौर मेट्रो

656 करोड़

- बरखेड़ा पठानी से लहारपुर तक 3 किमी मार्ग बनेगा

हवाई पट्टी

- विमानन संचालनालय के तहत 100 करोड़ का प्रावधान
- नए जेट विमान क्रय के लिए 300 करोड़ और भूअर्जन हेतु 480 करोड़ प्रस्तावित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मप्र के उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का 4,38,317 करोड़ रुपए का बजट विधानसभा में पेश कर दिया। इस बार का बजट भी ज्ञान यानी गरीब, युवा, आदिवासी और नारी पर केंद्रित रखा गया है। हालांकि, ज्ञान के साथ ही मोहन सरकार ने इन्फ्रास्ट्रक्चर व इंडस्ट्री यानी आईआई को भी जोड़ा है। बजट की एक खासियत यह भी है कि पहली बार रोलिंग बजट पेश किया गया है। इसके साथ ही देश के इतिहास में मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य बन गया है, जिसने रोलिंग बजट पेश किया है।

वित्त मंत्री देवड़ा ने लगातार छठवीं बार मप्र का बजट पेश किया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में देवड़ा ने शून्य बजट पेश किया था। इस बार रोलिंग बजट यानी वार्षिक बजट को दीर्घकालिक दृष्टि देते हुए तीन साल का विभागवार योजनाओं का संकलन पेश किया है। इसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के साथ ही वर्ष 2027-28, 2028-29 के रोलिंग बजट अनुमान को दर्शाया गया है। देवड़ा के कुल एक घंटे 31 मिनट के बजट भाषण में प्रदेश के समुचित विकास का खाका पेश किया गया है।

» राजकोषीय घाटा निर्धारित सीमा से अधिक, 44.42 हजार करोड़ के घाटे का बजट पेश

» बड़ी संख्या में आए सुझावों विशेषज्ञों व आम लोगों की राय के आधार पर बजट तैयार

» समृद्ध मध्यप्रदेश, संपन्न मध्यप्रदेश, सुखद मध्यप्रदेश, सांस्कृतिक मध्यप्रदेश वाला बजट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेपरलेस बजट प्रस्तुत करने से पहले विधानसभा में वित्तमंत्री देवड़ा को शुभकामनाएं दीं।

चार नई योजनाएं

1. ग्रामीण क्षेत्रों में 46 हजार करोड़ मूल्य की आबादी भूमि के स्वामित्व अधिकारों का पंजीयन : 3800 करोड़
2. **द्वारका नगर योजना** - अगले 3 वर्षों में : 5 हजार करोड़
3. **यशोदा योजना**- अगले 5 वर्षों में 6600 करोड़, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए : 700 करोड़
4. **विकसित भारत** - रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण 10,428 करोड़

रुपए में किसको-कितना

बुनियादी ढांचा	0.11%
कृषि	0.09
स्वास्थ्य	0.13
शिक्षा	0.10
सामाजिक क्षेत्र	0.05
शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र	0.14
संस्कृति	0.005
रोजगार क्षेत्र	0.01
सामान्य सेवाएं	0.09
अन्य सेवाएं	0.04
ब्याज भुगतान	0.08
पेंशन	0.07
ऋण पुनर्भुगतान	0.08

इस बार किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया

वित्त मंत्री देवड़ा ने करीब 44.42 हजार करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश किया। बजट घाटा भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद (एसडीजीपी) से राजकोषीय घाटा 3.87 फीसदी अनुमानित है। यह सामान्य ऋण सीमा से अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपात में राजस्व आधिक्य बढ़ा है। देवड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बड़ी संख्या में आए सुझाओं, विशेषज्ञों व आम लोगों के सुझाव के आधार पर बजट तैयार किया गया है। पिछली बार उद्योग वर्ष घोषित किया गया था, किंतु इस बार किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने बजट घाटा बढ़ने व ऋण लेने के मुद्दे पर कहा कि ऋण लेना विकास का सूचक है। सरल शब्दों में कहा जाए तो ऋण उसे ही मिलता है, जिनका बजट मजबूत होता है। सरकार ने हमेशा ऋण को आधारभूत संरचना में खर्च किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मप्र के सपने को पूरा करेगा बजट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण के ज्ञान (ज्ञान) के संकल्प में हमारी सरकार ने अब इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर के आई को भी शामिल किया है। वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का यह बजट ज्ञानी (ज्ञानी) के मार्गदर्शी सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसमें गरीब कल्याण, युवा शक्ति के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, अन्नदाता की आय में वृद्धि, नारी सशक्तिकरण, आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने का संकल्प है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

जनता से विश्वासघात वाला बजट

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि प्रदेश सरकार का बजट जनता से विश्वासघात वाला है। इसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं और जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है। नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जनता से जो प्रमुख वादे किए थे, वह ढाई साल बाद भी बजट से गायब दिखाई दिए। भाजपा ने चार प्रमुख वादे किए थे, एक- किसानों को धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल, दो- किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल, तीन- लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हजार रुपए और चार - घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में।

बजट में मेरे लिए क्या?

मैं महिला

- लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़
- वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे
- आंगनवाड़ी के तहत 3863 करोड़ का प्रावधान

मैं किसान

- मुख्यमंत्री किसान कल्याण के लिए 5501 करोड़
- अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 13 हजार 914 करोड़
- फसल बीमा योजना के लिए 1299 करोड़ का प्रावधान

मैं विद्यार्थी

- नए प्राथमिक स्कूलों के लिए 11444 करोड़
- स्टार्टअप पॉलसी के लिए 96 करोड़ रुपए खर्च होंगे
- बच्चों को बेहतर पोषण के लिए यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना : 700 करोड़ का प्रावधान

मैं खिलाड़ी

- नए खेल स्टेडियम के लिए 161 करोड़
- खेलो इंडिया के तहत 230 करोड़
- खेल अकादमी के लिए 164 करोड़

मैं युवा

- एमएसएमई प्रोत्साहन के तहत 1550 करोड़
- मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत 750 करोड़ का प्रावधान

और सांस्कृतिक पुनरूत्थान भी

- सिंहस्थ महावर्प के लिए इस साल 3 हजार 60 करोड़ का प्रावधान
- संगम ओरछा का विकास आइकॉनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास
- मालवा क्षेत्र में देवी अहिल्या लोक के माध्यम से इतिहास को सजीव रूप से प्रस्तुत किया जाएगा
- केरियाखेड़ी महेश्वर को क्राफ्ट हैंडलूम तथा कुक्षी को क्राफ्ट टूरिज्म विलेज बनाया जाएगा

दो पूर्व वित्त मंत्रियों की नजर में बजट

वर्तमान प्रतिकूल परिस्थियों में अच्छा बजट

राघव जी
पूर्व वित्त मंत्री

बजट मुख्य रूप से किसान केंद्रित है। वर्तमान प्रतिकूल परिस्थियों में अच्छा बजट है। लेकिन केंद्र से मिलने वाले करों का हिस्सर 7.85 से घटकर 7.35 प्रतिशत होने से आधा प्रतिशत कम हो गया है। इससे प्रदेश को 6 से 7 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होगा। शायद, मध्यप्रदेश ने अच्छे से वकालत नहीं की है। प्रदेश की जीडीपी केंद्र से बेहतर होकर 10.69 प्रतिशत है। किसानों के लिए 5500 करोड़ का प्रावधान स्वागत योग्य है। धरती आबा के लिए 3300 करोड़ का प्रावधान है। फसल बीमा के लिए 1299 का प्रावधान है। किसानों के लिए 25 हजार करोड़ का ऋण देने का लक्ष्य रखा गया है। भावांतर योजना के लिए 3300 करोड़ का प्रावधान है। शिक्षक भर्ती के तहत 15 हजार पद भरे जाएंगे। यशोदा मिल्क योजना को सफल बनाने के लिए 700 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सड़कों के लिए 21620 करोड़ का प्रावधान है। केन बेतवा के लिए 1 हजार करोड़ का प्रावधान से लाभ मिलेगा। शहरी अद्योसरंचना में अगले 5 साल तक प्रतिवर्ष 1 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर बैतूल, धार, पन्ना सहित कटनी में मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। पूंजीगत व्यय में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

बजट में किसानों, युवाओं व छोटे व्यवसायियों के लिए कुछ नहीं

तरुण भनोट
पूर्व वित्त मंत्री

प्रदेश के बजट में किसानों, युवाओं और छोटे व्यवसाय करने वालों के लिए कुछ नहीं है। बजट से बड़ा कर्ज हो गया है। ज्यादा हिस्सा कर्ज के ब्याज में जा रहा है इसलिए, विकास कार्यों के लिए पैसा ही नहीं बच रहा। किसानों से धान और गेहूं के लिए क्रमशः 3100 और 2700 सौ रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था। लाड़ली बहनों के लिए 3 हजार रुपए प्रति माह देने की बात कही गई थी लेकिन बजट में इसका प्रावधान नहीं है। केंद्र ने राज्य के शेयर में बड़ी कटौती की है, इसकी पूर्ति कहां से होगी? यह नहीं बताया गया। आर्थिक व्यवस्था में बताया जाता है कि पैसा कहां से आएगा, कहां जाएगा लेकिन कुछ स्पष्ट नहीं। बढ़ते कर्ज के कारण नए उद्योगों, नई योजनाओं के लिए संभावनाएं खत्म हैं। बजट में महाकौशल अंचल की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है। अंचल की अधूरी परियोजनाएं कब पूरी होंगी, इसकी व्यवस्था भी नहीं की गई।

जबलपुर
गुरुवार 19 फरवरी 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-2
वर्ष : 20, अंक : 291
पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 27
न्यूए. 11

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

4 सत्ता परिवर्तन से सुधरेंगे संबंध?

जबलपुर मैट्रो
6 889 किलो गांजा तस्करी मामले..

haribhoomi.com भोपाल, गुरुवार 19 फरवरी 2026

बड़ा फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

'पायजामे का नाड़ा' खींचना दुष्कर्म की कोशिश

इससे पहले उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में नाड़ा खींचने को दुष्कर्म की तैयारी बताया था

जस्टिस सूर्यकांत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि पायजामे का नाड़ा खींचना और स्तन छूना साफ तौर पर दुष्कर्म की कोशिश है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का विवादित फैसला भी पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि नाड़ा खींचना या तोड़ना सिर्फ दुष्कर्म करने की तैयारी है।

क्या है मामला?

10 नवंबर 2021 को एक महिला ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वह और उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी उसकी ननद के घर से वापस अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान उनके गांव के ही पवन, आकाश और अशोक ने उनकी बेटी को मोटरसाइकिल पर घर छोड़ने की पेशकश की।

विवादित आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि विवादित आदेश आपराधिक न्यायशास्त्र के तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल के कारण रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, पोक्सो कानून के तहत दो आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश के आरोप बहाल कर दिया।

कूनो नेशनल पार्क से आई खुशखबर

मादा चीता गामिनी ने 'तीन' और शावकों को दिया जन्म

चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और सीएम डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

inh छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल TATA PLAY चैनल नं. 1155 airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

स्कूल की दीवार गिरी 5वीं के छात्र की मौत

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक सरकारी स्कूल की जर्जर दीवार अचानक गिर गई और उसकी चपेट में आकर 5वीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। लापरवाही और बदहाल पड़ी दीवार हादसे की वजह बताई जा रही है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कैमोर थाना क्षेत्र के तिलक चौक के पास स्थित बम्हनगवां शासकीय प्राथमिक शाला में यह हादसा हुआ। इसी दौरान 9 वर्षीय राजकुमार बर्मन चपेट में आ गया।

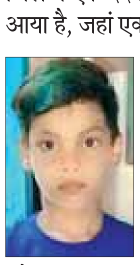

तापमान बढ़ने से मदर डेयरी को बिक्री बढ़ने की उम्मीद

मुंबई। गर्मियां नजदीक आने और तापमान में लगातार बढ़ोतरी के बीच मदर डेयरी ने बुधवार को कहा कि उसे आइसक्रीम, दही और डेयरी बेवरेज जैसी मुख्य श्रेणियों में 30 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। मदर डेयरी के उप प्रबंध निदेशक, जयतीर्थ चारी ने बयान में कहा, ''जल्दी शुरुआत और तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ, इस साल का गर्मी का मौसम पूरे उद्योग के लिए अच्छा लग रहा है। हमें आइसक्रीम, दही, डेयरी बेवरेज वगैरह जैसी मुख्य श्रेणी में 30 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी की उम्मीद है और हम बढ़ी हुई क्षमता, एक मज़बूत शीत श्रृंखला और जल्दी जरूरी सामान जुटाने के साथ इस बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए तैयार हैं।''

एआई इंपैक्ट समिट 2026: फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

भारत मंडपम में कई देशों के प्रमुख उद्योगपति कंपनियों के प्रमुख आ रहे

पीएम मोदी ने कहा- हमारा मकसद दोनों देशों में ट्रेड को दोगुना करना

मोदी ने कहा कि 6जी, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, बायोफ्यूल, और सर्कुलर इकोनॉमी जैसी फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात हुई

पीएम मोदी फिनलैंड के पीएम ओर्पो के साथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

16 से 20 फरवरी तक चल रहे एआई इंपैक्ट समिट 2026 में कई देशों के नेता, टेक कंपनियों के प्रमुख और उद्योगपति शामिल हो रहे हैं। इसमें एआई के नियम, रोजगार पर असर, शिक्षा में एआई का उपयोग और स्टार्टअप को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर बात हो रही है। फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो भारत दौरे पर पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि यह दौरा भारत और फिनलैंड के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करेगा, खासतौर पर डिजिटल, एआई, सतत विकास और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी।

भारत एआई नीति पर कुछ अहम घोषणाएं कर सकता है

प्रधानमंत्री मोदी और सुंदर पिचाई

- ***सस्टेनेबल डेवलपमेंट और डिजिटलीकरण एआई रिसर्च और एथिकल इनोवेशन में सहयोग पर चर्चा की***
- ***प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के क्षेत्र में उभरते इनोवेशन प्लेयर के रूप में फिनलैंड के प्रयासों की सराहना की***

पीएम मोदी से मिले गूगल सीईओ पिचाई

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई बुधवार को ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। उन्होंने यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पिचाई 20 फरवरी को समिट में मुख्य भाषण (कीनोट एड्रेस) देंगे। पिचाई ने कहा कि भारत का आईटी सेक्टर सेवाओं के निर्यात की रीढ़ रहा है और आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन बना हुआ है।

दिल्ली पहुंचे स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी बुधवार को एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। उनके शामिल होने से नई टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत-स्लोवाकिया।

5 दिवसीय दौरे पर लूला डा सिल्वा भारत पहुंचे

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा पांच दिवसीय भारत दौरे पर बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। एमईए ने लिखा कि इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति लूला इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे और फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। राष्ट्रपति लूला की यात्रा से भारत-ब्राजील साझेदारी को जबरदस्त रफ्तार मिलेगी। लूला डा सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत में रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहा है। इस बार राष्ट्रपति लूला अपने साथ सैकड़ों कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल लेकर पहुंचे हैं।

चाइनीज रोबोट लाकर कराई भारत की बेइज्जती

सरकार ने गलगोटिया यूनि. से कहा- छोड़ दो एक्सपो

रोबोटिक डॉग

यह चीन की एक रोबोटिक्स कंपनी द्वारा प्रदर्शित किया जा चुका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एआई इंपैक्ट समिट 2026 में ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर चीन के रोबोटिक डॉग को अपना बताकर पेश करने के आरोप लगे हैं। समिट में यूनिवर्सिटी की तरफ से इस रोबोट को भारत में विकसित एआई टेक्नोलॉजी के तौर पर पेश किया गया था। दावा था कि यह रोबोट यूनिवर्सिटी की इन हाउस डेवलपेड तकनीक है। यूनिवर्सिटी का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सरकारी सूत्रों ने बताया है कि उन्हें एआई समिट एक्सपो को तत्काल खाली करने के लिए कहा गया है। चाइना पल्स ने सोशल मीडिया पर रोबोट की तस्वीरें और वीडियो शेयर कर दावा किया कि यह वही मॉडल है, जो पहले चीन की एक रोबोटिक्स कंपनी द्वारा प्रदर्शित किया जा चुका है। अब सामने आया है कि ये दरअसल चीनी कंपनी यूनीट्री रोबोटिक्स का मॉडल है।

राहुल बोले- इंडियन डेटा बेचा जा रहा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने समिट को 'अव्यवस्थित पीआर तमाशा' बताते हुए कहा कि यहां पर भारतीय डेटा बेचने के साथ ही चीनी प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन किया जा रहा है। भारत के टैलेंट और डेटा का फायदा उठाने के बजाय, एआई समिट एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा है। जहां इंडियन डेटा बेचा जा रहा है और चीनी प्रोडेक्ट्स का प्रदर्शन हो रहा है। चीनी रोबोट को हमारे अपने रोबोट के तौर पर दिखाया जा रहा है।

राहुल गांधी

सिवनी मालवा में युवक का अपहरण

बेरहमी से पीटा, हाथ-पैर तोड़े, नाखून भी उखाड़े

नर्मदापुरम। बानापुरा में मंगलवार को सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां छह लोगों ने एक युवक का अपहरण कर उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। हमले में युवक के दोनों हाथ और दोनों पैर तोड़ दिए गए, वहीं बाएं हाथ की दो अंगुलियों और अंगूठे के नाखून तक उखाड़ दिए।

- एक साल से चल रही थी निजी रंजिश

गुना में तेज रफ्तार ट्रक का कहर

100 फीट तक घसीटा युवक की मौके पर मौत

गुना। एबी रोड पर बुधवार को महुगढ़ा रैक पॉइंट की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक सड़क पर मौजूद वाहनों से टकरा गया, जिससे 28 वर्षीय शिवनंदन शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मूल रूप से ग्राम सोहाया का रहने वाला था और शहर के मेसी ट्रैक्टर शोरूम में कार्यरत था।

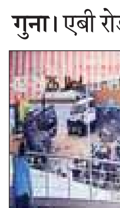

- ट्रक चालक मौके से फरार हो गया

नए सिस्टम से मप्र में होगी बारिश

22 जिलों में अलर्ट, मालवा से चंबल तक होगा असर

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में सक्रिय हो रहे दो चक्रवाती परिसंचरण और एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 22 जिलों में बारिश, आंधी और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। रतलाम में मंगलवार रात हुई बारिश ने बदलाव की शुरुआत का संकेत दे दिया है।

- वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या

रोंगटे खड़े कर देगा एमबीए छात्रा के हत्यारे का कबूलनामा

मैगी बनाकर खिलाई, निर्वस्त्र कर हाथ-पैर बांधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर के द्वारिकापुरी क्षेत्र में एमबीए छात्रा की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी पीयूष धामनोतिया ने घटनास्थल पर पुलिस के सामने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। मंगलवार दोपहर पुलिस उसे घटनास्थल पर ले गई, जहां उसने किचन की ओर इशारा करते हुए बताया कि पहले उसने छात्रा को मैगी बनाकर खिलाई, फिर उसे निर्वस्त्र कर हाथ-पैर बांध दिए और हत्या कर दी। तलाशी के दौरान

चैटिंग एप विवाद हत्या की प्रारंभिक वजह बताई गई

पर्स से मिला कबूलनामा जिसमें फांसी की मांग की

आरोपित के पर्स से एक पत्र बरामद हुआ, जिसमें लिखा था- मैंने उसकी हत्या कर दी है, मुझे फांसी दे दो। पुलिस इस पत्र को मामले में अहम साक्ष्य मान रही है। द्वारिकापुरी थाना प्रभारी मनीष मिश्रा के अनुसार घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने के लिए आरोपी से नाट्य रूपांतरण कराया गया।

भोपाल में ग्वालियर के डॉक्टर की करतूत

जांच के लिए लाया था भोपाल

इलाज के बहाने होटल में महिला को नशीला पदार्थ देकर किया रेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यहां के एमपी नगर में स्थित एक होटल रूम में एक डॉक्टर ने महिला को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ रेप किया। आरोपी ग्वालियर का रहने वाला है। पीड़िता को इलाज के बहाने भोपाल लाया था। घटना के 3दिन बाद महिला एमपी नगर थाने पहुंची तथा रिपोर्ट दर्ज कराई। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय महिला ग्वालियर की रहने वाली है। ग्वालियर के डॉक्टर अमरीश सेंगर से 7 महीने पहले उसने अपना इलाज कराना शुरू किया।

अस्पताल ले जाने के बजाए होटल ले गया

फाइल फोटो

महिला को शक हुआ तो उसने अपने पति को फोन कर कहा कि डॉक्टर अस्पताल ले जाने के बजाय होटल में लेकर आ गए हैं। मुझे डॉक्टर की नीयत पर भरोसा नहीं हो रहा। यह सुनने के बाद पति ग्वालियर से भोपाल के लिए निकल गया। इधर रात हो जाने पर महिला ने डॉक्टर से कहा कि होटल में कमरे ले लो तो उसने कहा कि होटल में कमरे खाली नहीं है। रात में खाना खाने के बाद अंबरीश ने चर्म रोग की दवा के साथ नशीला पदार्थ दिया।

महिला के बेसुध होते ही की ज्यादती

महिला जब बेसुध हो गई तो अमरीश ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। सुबह पति पहुंच गया बदनामी के डर से उस दिन उन्होंने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। ग्वालियर पहुंचने के बाद आरोपी जब इलाज के बहाने फिर से संपर्क करने की कोशिश की तो महिला अपने पति को लेकर भोपाल आई तथा यहां पर एमपी नगर थाने में शिकायत दर्ज करा दी।

सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान, 16 मार्च को ही वोटों की गिनती

ये सीटें अप्रैल में अलग-अलग तारीखों को रिक्त हो रही हैं

10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि इन 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होंगे। इनमें महाराष्ट्र की सात, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। वहीं, ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, असम की तीन, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, तेलंगाना की दो और हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर चुनाव होना है। आयोग ने बताया है कि महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और बिहार की सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे।

रिक्त सीटों की संख्या

महाराष्ट्र	7	सीटें
ओडिशा	4	सीटें
तमिलनाडु	6	सीटें
प.बंगाल	5	सीटें
असम	3	सीटें
बिहार	5	सीटें
छत्तीसगढ़	2	सीटें
हिमाचल	1	सीटें
तेलंगाना	2	सीटें
हरियाणा	2	सीटें

ऐसा रहेगा पूरा शेड्यूल

राज्यसभा की 37 सीटों पर चुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा जो शेड्यूल जारी किया गया है, उसके मुताबिक 26 फरवरी को नोटिफिकेशन जारी होगा। 5 मार्च को नामांकन भरे जाएंगे और 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 9 मार्च तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से 4 बजे तक मतदान होगा और 16 मार्च को ही वोटों की गिनती होगी। 20 मार्च 2026 से पहले चुनाव पूरा होना है।

रामनाथ, शरद और प्रियंका चतुर्वेदी समेत इनका कार्यकाल हो रहा खत्म

जिन दिग्गज नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनमें शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, कनिमोझी, साकेत गोखले, उपेंद्र कुशवाहा, राज्यसभा के डिप्टी स्पीकर हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर और अभिषेक मनु सिंघवी आदि शामिल हैं।

बजट में खास

11444
करोड़ रुपए सरकारी शालाओं की स्थापना

10428
करोड़ रुपए विकसित भारत जी राम जी के लिए

6850
करोड़ रुपए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

5649
करोड़ रुपए समग्र शिक्षा अभियान के लिए आवंटित

3893
करोड़ रुपए सांदिपनी विद्यालय के अंतर्गत प्रावधान

2968
करोड़ रुपए ग्रामीण और जिला सड़कों का उन्नयन

2550
करोड़ रुपए निवेश प्रोत्साहन योजना के लिए आवंटित

2000
करोड़ रुपए पीएम आवास योजना (शहरी) के लिए

2000
करोड़ रुपए पीएम ग्राम सड़क योजना में नई सड़कों के लिए

1550
करोड़ रुपए एमएसएमई प्रोत्साहन निवेश संवर्धन

1418
करोड़ रुपए मिलियन प्लस शहर (अमृत 2.0) के लिए

1285
करोड़ रुपए पीएम सड़क योजना की सड़कों का उन्नयन

1210
करोड़ रुपए 11वीं, 12वीं व महाविद्यालय छात्रवृत्ति के लिए

864
करोड़ रुपए व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने वाला है। सरकार युवा वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार के अवसर एवं उनकी आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिक्षा नई पीढ़ी के सृजनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्कूलों को बिजली आपूर्ति, इंटरनेट सुविधा और स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।

15 हजार शिक्षकों की करेंगे नियुक्ति 4 लाख से अधिक साइकिलें वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट भाषण में कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने वाला है। उन्होंने बताया कि कार्यशील जनसंख्या का बढ़ता अनुपात प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देने के अवसर प्रदान करता है। हमारी सरकार युवा वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोज़गार के अवसर एवं उनकी आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि शिक्षा नई पीढ़ी के सृजनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। सरकार नवीन शैक्षणिक संस्थाओं की शुरुआत करने के साथ पूर्व से संचालित संस्थाओं में उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था और अधोसंरचना सुनिश्चित कर रही है। स्कूलों को बिजली आपूर्ति, इंटरनेट सुविधा और स्मार्ट कक्षाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।

साइकिल वितरण योजना में 210 और पाठ्य पुस्तक योजना में 100 करोड़ का प्रावधान

'सीएम युवा-शक्ति' योजना के तहत सभी विधानसभा में स्टेडियम उपलब्ध हो रहे

94,300 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए गए

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 'पीएमश्री योजना' के अंतर्गत 799 विद्यालय संचालित हैं। साथ ही 274 'सांदीपनि विद्यालय' भी कार्यरत हैं। छात्रों तक पहुंच आसान बनाने के लिए 4 लाख 85 हज़ार साइकिलें वितरित की गई हैं। 94,300 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए गए हैं। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए 15,000 शिक्षकों की नियुक्तियाँ प्रक्रियाधीन हैं। शिक्षा संबंधी प्रमुख योजनाओं जैसे सांदीपनि विद्यालय में 3,892 करोड़, पीएम श्री योजना में 530 करोड़, साइकिल वितरण योजना में 210 करोड़, और निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों की योजना में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित है।

छात्रवृत्ति योजना के लिए बजट में 986 करोड़ का प्रावधान, पहले 458 करोड़

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित 25,439 विद्यालयों में लगभग 20 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। 94 सांदीपनि विद्यालयों को उत्कृष्ट अधोसंरचना और शैक्षणिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में लगभग 3,40,000 विद्यार्थियों को 458 करोड़ से अधिक की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की गई। अनुसूचित जनजाति की शैक्षणिक संस्थाओं हेतु 4,485 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाओं के लिए 2026-27 के बजट में 986 करोड़ का प्रावधान है।

1 वर्ष में 174 स्टार्टअप आरंभ किए 205 महाविद्यालय नैक एक्रिडिटेड

प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 56 विश्वविद्यालय और 1,360 शासकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में लगभग 16 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रत्येक जिले में 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' संचालित हैं। नैक मूल्यांकन के तहत 205 महाविद्यालय नैक एक्रिडिटेड हो चुके हैं। 31 नए महाविद्यालय भवनों का निर्माण और 96 भवनों का सुदृढ़ीकरण कार्य प्रचलित है। विश्वविद्यालयों में संचालित इन्क्यूबेशन केंद्रों में एक वर्ष में 174 स्टार्टअप आरंभ किए गए और 22 पेटेंट कराए गए।

सभी शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में वाई-फाई कैंपस और स्मार्ट क्लास

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में तकनीकी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या 26 प्रतिशत बढ़ी। सभी शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में वाई-फाई कैंपस और स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए गए। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का परिसर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में शुरू हो चुका है। वर्ष 2025 में आयोजित 608 रोजगार मेलों और युवा संगम कार्यक्रमों के माध्यम से 85,000 युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

2 साल में 33 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले

16491 युवाओं को 1134 करोड़ की ऋण राशि दी

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि 2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 8 लाख 63 हजार करोड़ के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। 19300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 2360 करोड़ की लागत से इंदौर-पीथमपुर इकॉनोमिकि कॉरीडोर विकसित किया जा रहा है। 7 लाख 95 हजार छात्रों को आर्थिक सहायता राशि का प्रावधान किया गया है। विगत 2 वर्षों में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 16,491 युवाओं को 1,134 करोड़ की ऋण राशि वितरित की गई है। 6,670 स्टार्टअप में महिलाओं द्वारा संचालित 3 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। प्रदेश में निवेश और औद्योगीकरण क्षेत्र में 5,957 करोड़ का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

वेदांत पीठ की स्थापना की जाएगी

वेदांत पीठ की स्थापना के तहत 750 करोड़, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत रुपए 750 करोड़, पोलीटेकनिक संस्थाएं को 295 करोड़, स्वशासी तकनीकी संस्थाओं को सहायता के तहत 250 करोड़, एडीबी परियोजना (कौशल विकास) के तहत 110 करोड़, मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना के तहत 100 करोड़, सीएम युवा शक्ति योजना के तहत रुपए 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

अतिथि विद्वानों का मानदेय 333 करोड़

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर को मिली ग्रांट, तकनीकी शिक्षा पर जोर, बजट में दिए 864 करोड़

जगदीश देवड़ा ने कहा कि अतिथि विद्वानों को मानदेय के अंतर्गत 333 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शासकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण आदि के अंतर्गत 246 करोड़, म.प्र. उच्च शिक्षा में सुधार के अंतर्गत रुपए 230 करोड़, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) के अंतर्गत 189 करोड़, अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों को पोषण अनुदान के अंतर्गत 141 करोड़, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस योजना (राज्य पोषित) के तहत 126 करोड़, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर को ब्लाक ग्रांट के अंतर्गत रुपए 113 करोड़, गांव की बेटी योजना के तहत रुपए 80 करोड़, छात्रों के लिए पुस्तकें/ स्टेशनरी आदि के प्रदाय के लिए 50 करोड़ का प्रावधान, स्टेट डाटा सेंटर का उन्नयन परिचालन एवं संधारण के तहत 281 करोड़, स्टेट वाईड एरिया नेटवर्क की स्थापना के तहत 75 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण का सुदृढीकरण एवं विस्तार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 864 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में नगरीय निकायों में वार्ड स्तर पर अधोसंरचना विकास को गति देने के लिए 'द्वारकानगर' योजना प्रस्तावित है। इसके लिए 3 वर्षों में 5 हजार करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। नगरीय निकायों को मूलभूत सुविधाओं हेतु 1,057 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

खेल और युवा कल्याण को दिए जाएंगे 815 करोड़ रुपए

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि खेल गतिविधियां और स्वस्थ मनोरंजन युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 स्वर्ण, 29 रजत और 26 कांस्य पदक तथा राष्ट्रीय स्तर पर 189 स्वर्ण, 131 रजत और 118 कांस्य पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। युवाओं की खेल अभिरुचियों को प्रोत्साहित करने हेतु 'सीएम युवा-शक्ति' योजना के अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में सर्वसुविधा संपन्न स्टेडियम उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्तमान में प्रदेश में 11 खेल अकादमियों में 18 खेलों की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अधोसंरचना, उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाएं हैं। साथ ही 4 हॉकी टर्फ और 30 खेल स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। खेल और युवा कल्याण के लिए 815 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु प्रदेश में 10 ज्ञानोदय विद्यालयों को सीबीएसई अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। इस वर्ग के विद्यार्थियों हेतु 1,913 छात्रावास संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 95,000 है। स्वरोज़गार के लिए संत रविदास स्वरोज़गार योजना के अंतर्गत 1,927 और डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 2,316 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है।

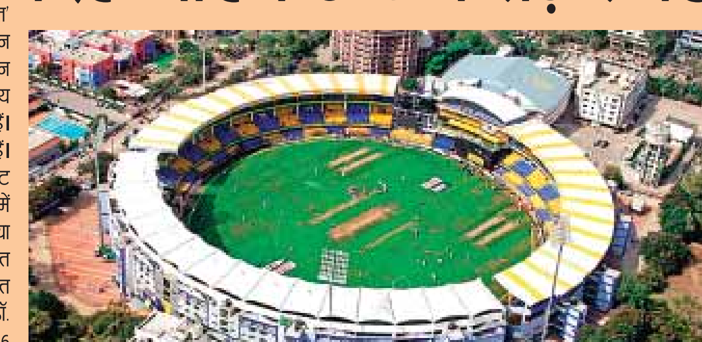

कई प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर पूरे किए गए

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़क निर्माण और सुधार के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा। इसके तहत मुख्यमंत्री मजरा टोला योजना के तहत 20,900 किमी सड़क बनाने का स्टेटस दिया गया है। सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की दिशा में प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 2,190 किमी सड़क निर्माण तथा उन्नयन, 992 किमी सड़क नवीनीकरण और 30 पुलों तथा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इसके अलावा करीब 3,000 करोड़ की लागत के कार्य जैसे सिक्स लेन कोलार रोड, भोपाल में गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक फ्लाईओवर और दमोह नाका एलिवेटेड कॉरिडोर भी पूरा किया गया है।

992 सड़कों का नवीनीकरण, 30 पुलों तथा रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य पूर्ण

प्रदेश में पहली बार रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार

वर्तमान में प्रदेश में 111 रेलवे ओवरब्रिज, अटेर जैतपुर मार्ग पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल, भोपाल के संत हिरदाराम नगर में एलिवेटेड कॉरिडोर, ग्वालियर में स्वर्ण रेखा नदी पर एलिवेटेड कॉरिडोर, इंदौर में एलिवेटेड कॉरिडोर, उज्जैन में फोर लेन एलिवेटेड कॉरिडोर और महाकाल रोप-वे का निर्माण जारी है।
सड़क अधोसंरचना के लिए हाईब्रिड एन्युटी मॉडल सड़क अधोसंरचना के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए हाईब्रिड एन्युटी मॉडल अपनाया गया है। पिछले 2 वर्षों में इस मॉडल के तहत 12,676 करोड़ रुपए अनुमानित लागत वाली सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही प्रदेश में रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

सड़कों के हाईब्रिड एन्युटी मॉडल में 2 वर्षों में 12,676 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत

8500 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य पूरा

सड़कों-पुलों के निर्माण और संधारण के लिए इस बार 12,690 करोड़ मिलेंगे

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में लगभग 1,500 किमी सड़क निर्माण और 7,000 किमी सड़क नवीनीकरण का लक्ष्य पूरा होगा। वहीं, मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत मुख्य सड़क मार्ग से जुड़ी न होने वाली बसाहटों के लिए 30,900 किमी सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है। क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण के तहत 1,766 पुल और पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 4,572 करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की गई है, और वर्ष 2026-27 में 900 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सड़कों और पुलों के निर्माण और संधारण के लिए वर्ष 2026-27 में कुल 12,690 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। यह राशि प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों को मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ने, सुरक्षा और ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए खर्च की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि 6 हजार 850 करोड़ पीएम आवास के लिए प्रावधान है। पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, जी रामजी के लिए 10,428 करोड़ के प्रावधान किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40,062 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

बजट पर युवा उद्यमियों का नजरिया

रोजगार पर फोकस रखा गया

सुनील कुमार
नव उद्यमी
एंसोज क्रिएशन

इस बजट में कौशल विकास, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने की घोषणाएं युवाओं के लिए आशाजनक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो प्रदेश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, एग्री-स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। सरकार ने बजट पर विशेष ध्यान दिया है। रोजगार पर फोकस सकारात्मक संकेत हैं। सड़कों, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार से किसानों और स्टार्टअप्स के बीच की दूरी कम होगी।

स्टार्टअप ईकोसिस्टम बढ़ेगा

सचिन राय
डायरेक्टर
एंसोज क्रिएशन

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रावधान किए गए हैं। यह विकास की रीढ़ है। इस तरह की घोषणाए स्टार्टअप और एमएसएमई सेक्टर के लिए लाभकारी हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से निवेश आकर्षित होगा और छोटे शहरों में भी स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित होगा। यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों में इंटरनेट, परिवहन और बिजली की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है तो युवा अपने गृह नगरों में ही उद्यम शुरू कर सकेंगे। ग्रामीण इलाकों, महिलाओं के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। यह विकास की दिशा में अहम है।

उद्यमियों को अच्छे अवसर

अरुण नामदेव
डायरेक्टर, श्री कृष्णम बिजनेस सॉल्यूशन

मप्र के इस बजट में स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बहुत अच्छी हैं। इनक्यूबेशन सेंटर और फंडिंग सहायता से उद्यमियों को अच्छा मौका मिलेगा। शुरुआती चरण के स्टार्टअप के लिए आसान ऋण और टैक्स राहत और सरकारी टेंडर में स्थानीय स्टार्टअप को प्राथमिकता मिलना चाहिए। कॉलेज स्तर पर इनोवेशन लैब और मेंटरशिप प्रोग्राम को बढ़ावा दिया जाए। यदि नीति समर्थन के साथ पारदर्शी और सरल प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए तो मध्यप्रदेश देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर सकता है। इस क्षेत्र में अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

अफसर ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। बेंगलुरु से एक खौफनाक वारदात की खबर सामने आई है। यहां बुधवार को

अवलाहल्ली के 65 साल के रिटायर्ड इसरो कर्मचारी ने कथित तौर अपनी पत्नी की गला घोंट कर हत्या कर दी। अवलाहल्ली पुलिस अधिकारीयों ने सुबह करीब 11 बजे इस बात की जानकारी दी। आरोपी नागेश्वर राव को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। शुरुआती जांच का हवाला देते हुए, एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि राव कथित तौर पर डिप्रेशन का इलाज करा रहा था।

सीएम रेखा 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 50वें मातृश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह

सम्मान उन्हें समाज और जनता के प्रति उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। अवॉर्ड समिति के संयोजक चेतन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विवेक शर्मा, महामायी सेवा न्यास के दीपक बजाज तथा समिति सदस्य बिट्टी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री को भारत माता की प्रतिमा और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

होली पर आ सकती है ईपीएफओ पर खुशखबरी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ से जुड़ी एक अहम खबर सामने आ रही है। ईपीएफओ पर होली पर खुशखबरी आ सकती है। वही वित्त वर्ष 2026 के लिए पीएफ खातों पर मिलने

वाली ब्याज दर बढ़ेगी या फिर जितनी है उतनी ही रहेगी इसका ऐलान सिर्फ 11 दिनों में होने जा रहा है। बाजार में उतार चढ़ाव के बावजूद ईपीएफओ ने स्थिर रिटर्न देने की कोशिश की है। यही वजह है कि ब्याज दर को स्थिर रखना एक सुरक्षित विकल्प माना जा रहा है।

कांग्रेस नेता गोगोई ने बोला सीएम सरमा पर बड़ा हमला

'असम के जिन्ना' हैं हिमंत बिस्वा सरमा, गौरव गोगोई ने लगाया कांग्रेस के काफी सीक्रेट लीक करने का आरोप

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर कांग्रेस के नेता और राज्य ईकाई के प्रमुख गौरव गोगोई ने बड़ा हमला बोला है। गोगोई ने कहा है पहले ऐसी बातें आती थीं कि भूपेन बोरा और सरमा मिले हैं लेकिन कभी यकीन नहीं किया।

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

काफी मान-मनौव्वल के बाद भी कांग्रेस नेता भूपेन बोरा 22 फरवरी को फाइनली बीजेपी में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पुष्टि के बाद कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने अब मोर्चा खोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने हिमंत बिस्वा सरमा को असम का जिन्ना करार दिया।

गोगोई ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंत बिस्वा सरमा और भूपेन बोरा पर जमकर हमले किए। उन्होंने बोरा पर पार्टी की मीटिंग की जानकारी लीक करने का आरोप भी लगाया।

हिमंत ने बोरा को बताया सबसे ईमानदार हिंदू नेता

भूपेन 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा एवं गौरव गोगोई

कांग्रेस पर नहीं पड़ेगा फर्क

कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस ने अपने अभियान के जरिए हिमंत बिस्वा सरमा के रियल एस्टेट एम्पायर का पर्दाफाश कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि भूपेन बोरा के पार्टी छोड़ने से कांग्रेस कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बीजेपी सरकार की विदाई होगी।

अफवाहों पर नहीं किया भरोसा

गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा और भूपेन बोरा के बीच करीबी रिश्तों के बारे में पहले से अफवाहें थीं, जिस उन्होंने कभी भरोसा नहीं किया। वह अक्सर हैरान रहते थे कि पार्टी की सीक्रेट मीटिंग की जानकारी हिमंत बिस्वा सरमा के करीबी पत्रकार को कैसे मिल जाती है। भूपेन बोरा के इस्तीफे से यह सच सामने आ गया है।

कई राजनीतिक दलों का अस्तित्व खतरे में

गोगोई ने पूर्व सीएम सोनोवाल का जिक्र करते हुए कहा सरबानंद सोनोवाल और कई अन्य लोगों का उदाहरण हम देख सकते हैं। एजीपी पार्टी (सोनोवाल की पिछली पार्टी) विलुप्त होने की कगार पर है। मुझे नहीं लगता कि भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने के बारे में विशेष रूप से कुछ कहने की जरूरत है।

भारतीय सेना की टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर बड़ी पहल

सेना की युद्धक तैयारी को बेहतर बनाएगा एआई, हथियार बनेंगे स्मार्ट, बढ़ेगी सटीकता

एआई की मदद से सेनाएं अपनी युद्धक तैयारी को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं। एआई की मदद से अब मशीनें पहले ही बता देंगी कि कौन सा सिस्टम कब खराब हो सकता है, किस हिस्से में दिक्कत आने वाली है और कहां संसाधन पहले से भेजने होंगे।?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन आर्मी अब टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर कई बड़ी पहल कर रही है। राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान सेना ने साफ कर दिया कि आने वाले समय की लड़ाई सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जीती जाएगी। बुधवार को 'स्मार्टाइजिंग द किल चेन' विषय पर हुए एक खास सेमिनार में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के दिग्गज और बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ जुटे। इसका मकसद था, कैसे एआई के जरिए हथियारों, वाहनों, ड्रोन और दूसरे सैन्य प्लेटफॉर्म्स को इतना स्मार्ट बनाया जाए कि युद्ध के हर चरण में तेजी, सटीकता और प्रभावशीलता बढ़े। एआई की मदद से अब मशीनें पहले ही बता देंगी कि कौन सा सिस्टम कब खराब हो सकता है, किस हिस्से में दिक्कत आने वाली है और कहां संसाधन पहले से भेजने होंगे। अब मरम्मत बाद में नहीं, पहले से तैयारी होगी।

हथियारों के मेंटनेंस के फैसले तेजी से लिए जाएंगे

सैन्य अभ्यास करती हुई भारतीय सेना।

सेना के अनुसार सबसे अहम बात यह रही कि अब इंजीनियरिंग सपोर्ट सीधे कमांड फैसलों से जुड़ा होगा। कमांडर को रियल टाइम में पता होगा कि किस यूनिट के पास कौन सा उपकरण पूरी तरह तैयार है और कौन सा सिस्टम मेंटेनेंस में है। यानी फैसले और भी तेज और सटीक होंगे। इस कार्यक्रम ने संकेत दिया है कि इंडियन आर्मी सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि 'स्मार्ट वॉरफेयर सिस्टम' तैयार कर रही है। स्वदेशी नवाचार, इंडस्ट्री और अकादमिक जगत के साथ साझेदारी और एआई आधारित समाधान के जरिए सेना भविष्य की जंग के लिए खुद को पूरी तरह तैयार कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है अब लड़ाई सिर्फ मैदान में नहीं, डेटा और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ी जाएगी और इंडियन आर्मी उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुकी है।

एआई से युद्धक तैयारियों में बदलाव

- यहां डीजी ईएमई लेफ्टिनेंट जनरल राजीव कुमार साहनी ने कहा कि उद्योग जगत के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर ऑपरेशनल सटीकता प्रभावी बनाने का बड़ा अवसर है। बड़ी मात्रा में सेंसर से मिलने वाले डेटा को कार्रवाई योग्य जानकारी में बदला जा सकता है।
- उभरते खतरों का पहले से अनुमान लगाया जा सकता है और पुराने हथियार सिस्टम को आधुनिक, डेटा-सक्षम और स्मार्ट प्लेटफॉर्म में अपग्रेड किया जा सकता है।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्नत एनालिटिक्स के जरिए इंजीनियरिंग सपोर्ट को तेज करना जरूरी है, ताकि ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स अधिक मजबूत और सक्रिय बन सके।

एआई और जॉब संकट पर बोले चंडोक

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया हेड पुनीत चंडोक ने इस खास सेशन में कहा है कि आत्मनिर्भर एआई का मतलब दुनिया से कट कर एआई पर काम करना नहीं है। बल्कि इस सेशन में एआई और जॉब संकट पर भी बात की। उन्होंने एआई को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर एआई का मतलब यह नहीं है कि भारत दुनिया से कटकर अपना अलग एआई बना ले।

एआई का डिफ्यूजन

उन्होंने कहा कि एआई को सिर्फ डेवलप करना काफी नहीं है। सबसे जरूरी है उसका डिफ्यूजन। यानी एआई हर सेक्टर तक पहुंचे। खेती से लेकर हेल्थ और एजुकेशन तक एआई का इस्तेमाल हो। साथ ही स्किलिंग पर जोर जरूरी है। उनका कहना था कि एक अरब भारतीयों को एआई इस्तेमाल करना आना चाहिए। यही असली चुनौती है।

पार्टी के मुखपत्र सामना ने उठाए सवाल

इंडिया ब्लॉक चौराहे पर, आंतरिक कलह और नेतृत्व एक बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी दल शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे यूबीटी ने बुधवार को दावा किया कि इंडिया ब्लॉक अब एक चौराहे पर खड़ा है, और उसे आंतरिक बहस से आगे बढ़कर यह तय करना होगा कि ममता बेनर्जी, एमके. स्टालिन या कोई अन्य व्यक्ति राष्ट्रीय संकट में उनका नेतृत्व करेगा या नहीं। महत्वपूर्ण क्षेत्रीय चुनावों से पहले ब्लॉक और कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व को लेकर चल रही बहसें एकता को कमजोर करने की धमकी दे रही हैं।

राहुल गांधी | ममता बेनर्जी, सीएम

आपसी टकराव की स्थिति?

संपादकीय के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में गठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ते दिख रहे हैं। इसमें पश्चिम बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस आमने-सामने हैं, वहीं केरल में लेफ्ट और कांग्रेस में भी मुकाबला है। इसके साथ महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर विभाजन से भाजपा को फायदा हुआ है। शिवसेना यूबीटी का कहना है संसद का हंगामा अलग है, लेकिन देश में लोगों की सोच बदल रही है। विपक्षी इंडिया गठबंधन को जल्द फैसला करना होगा कि उनका नेतृत्व कौन करेगा- ममता, स्टालिन या कोई तीसरा नेता?

नेतृत्व पर अलग-अलग राय

विपक्षी इंडिया गठबंधन के अंदर कई नेताओं ने अलग-अलग नाम आगे किए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का समर्थन किया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सचिव रहे संजय बारू ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को बेहतर राष्ट्रीय नेता बताया है। इनका कहना है कि गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए जल्द एक चेहरा तय करना जरूरी है।

कांग्रेस की चुनौती और भाजपा पर आरोप

संपादकीय में कहा गया है कि कांग्रेस में भी अंदरूनी मतभेद दिख रहे हैं, उनके वरिष्ठ नेता अलग-अलग राय दे रहे हैं, इससे पार्टी की एकजुटता पर असर पड़ रहा है हालांकि, राहुल गांधी की लड़ने की भावना की तारीफ भी की गई। संपादकीय में यह भी कहा गया कि सरकार धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर रही है। इससे जनता की सोच प्रभावित हो रही है और विपक्ष को इसका जवाब देने के लिए मजबूत नेतृत्व चाहिए।

किसान साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन

बठिंडा में जमकर हंगामा, किसानों पर पुलिस का लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले भी दागे

एजेंसी ▶▶ बठिंडा

बठिंडा जिले के ज्योंद गांव में एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए, जब किसानों और पंजाब पुलिस के बीच तीखी झड़प देखने को मिल। भारतीय किसान एकता (उग्राहां) से जुड़े किसान अपने दो साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय किसान एकता उग्राहां के बैनर तले किसान बठिंडा के कलेक्टर दफ्तर के पास धरना देने

बठिंडा के ज्योंद गांव में किसानों और पंजाब पुलिस के बीच झड़प हुई।

पुलिस गांव ज्योंद पहुंच गई, जहां किसान इकट्ठा थे। किसानों का कहना है कि बिना किसी उकसावे के पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी, जबकि प्रशासन का दावा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाए गए।

किसान पिछले साल स्कूल विवाद से जुड़े एक मामले में की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर बठिंडा प्रशासन और किसानों के बीच पहले भी कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। इसी के चलते एक बार फिर टकराव की स्थिति बन गई। इस घटना पर किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

राजनाथ और रक्षा मंत्री कैथिरन की मौजूदगी में हुए समझौते

भारतीय सेना में तैनात होंगे फ्रांसीसी कमांडो, कांप उठा चीन-पाकिस्तान !

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और फ्रांस के बीच हुई हालिया डिफेंस डील ने रक्षा क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है।

एआई समिट के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुलाकात ने सैन्य सहयोग को रणनीतिक से अटूट बना दिया है। इस दौरे की सबसे बड़ी खबर थल सेनाओं के बीच अधिकारियों की अदला-बदली और स्वदेशी राफेल निर्माण को लेकर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कैथरिन वातारिन की मौजूदगी में हुए ये समझौते भारत को ग्लोबल डिफेंस हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। भारत और फ्रांस ने अगले दस वर्षों के लिए एक-दूसरे

की थल सेना में सैन्य अधिकारियों को तैनात करने का फैसला किया है। भारतीय सेना के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी दूसरे देश के अधिकारी हमारी जमीन पर तैनात होंगे।

वैसे तो यह दोनों के लिए फायदेमंद है, लेकिन जानकारों का मानना है कि फ्रांस को इससे ज्यादा लाभ होगा। यूक्रेन युद्ध की आहट के बीच, फ्रांस भारतीय सेना से कठिन परिस्थितियों में युद्ध लड़ने की बारीकियां सीखना चाहता है।

खेलों के लिए बुनियादी ढांचे पर दिया जोर

गुजरात सरकार ने पेश किया 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट, बनेगा हॉकी स्टेडियम

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पर्यटन और 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। करीब 974 करोड़ रुपए के अधिशेष वाले इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पांच प्रतिशत कर छूट को जारी रखा गया है।

बजट में वीजी-जीरामजी योजना के तहत 16 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 90 करोड़ रुपए की लागत से एक नया हॉकी स्टेडियम बनाया जाएगा।

सरकार ने कहा कि राज्य को खेल और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य है।

वित्त मंत्री कनुभाई देसाई बजट पेश करने के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए।

अहमदाबाद बनेगा ओलंपिक रेडी सिटी

आगामी राष्ट्रमंडल खेल 2030 को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद को ओलंपिक के लिए तैयार शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल परिसर, आधुनिक स्टेडियम और बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस काम के लिए 1278 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए 429 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

2024 की जुलाई क्रांति के बाद इसे संग्रहालय में बदल दिया गया था

बांग्लादेश का प्रधानमंत्री आवास गणभवन बनेगा म्यूजियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डेढ़ दशक से अधिक समय बाद बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी बीएनपी की सरकार बनी है। 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनाव में भारी जीत के बाद लोगों में उत्साह का माहौल है। नई सरकार के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान 17 फरवरी को शपथ ग्रहण कर चुके हैं, लेकिन एक सवाल अब भी राजनीतिक हलकों में गूंज रहा है कि नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान का स्थायी निवास क्या होगा?

गणभवन अब जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय में परिवर्तित

जमुना गेस्ट हाउस नए प्रधानमंत्री का संभावित निवास

गणभवन का इतिहास

ढाका के शेर -ए-बांग्ला नगर में स्थित 'गणभवन' का शाब्दिक अर्थ 'जनता का घर' है। बंगलादेशी संसद भवन के उत्तर में स्थित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास था। 2024 की जुलाई क्रांति के बाद, इस निवास को एक संग्रहालय में बदल दिया गया जिसका नाम जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय रखा गया।

जमुना गेस्ट हाउस बन रहा प्रमुख विकल्प

हाउसिंग एंड पब्लिक वर्क्स मिनिस्ट्री ने इस बाबत तैयारी पूरी कर ली है। पुराने पीएम आवास 'गणभवन' को जुलाई मेमोरियल म्यूजियम में बदल दिए जाने के बाद राज्य अतिथि गृह 'जमुना' को नए प्रधानमंत्री के निवास के रूप में तैयार किया जा रहा है। डॉ. मोहम्मद यूनुस ने भी इसे अपने ठहरने के स्थान के तौर पर इस्तेमाल किया था।

शेख मुजीबुर रहमान से नाता

बांग्लादेश की स्वतंत्रता और संसदीय सरकार की स्थापना के बाद प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान का कार्यालय बेली रोड स्थित 'राष्ट्रपति भवन' के नाम से जाना जाता था, जिसे वे 'गणभवन' कहते थे। कार्यालय के लिए अपर्याप्त स्थान के कारण, 1973 के आम चुनाव के बाद, उन्होंने शेर-ए-बांग्ला नगर में गणभवन का निर्माण अपने आधिकारिक निवास और सचिवालय के रूप में करवाया, हलांकि वे कभी वहां नहीं रहे। अगले साल इसके पूरा होने के बाद, उन्होंने 1975 तक वहां काम किया और बाद में इसका उपयोग मार्शल लॉ प्रशासनों द्वारा कोर्ट-मार्शल के रूप में किया गया।

गुलशन में फिरोजा के पास भावनात्मक जुड़ाव

देश लौटने के बाद से तारिक रहमान गुलशन में मकान नंबर 196 में रह रहे हैं, जो उनकी मां खालिदा जिया के यादगार घर 'फिरोजा' के बगल में है। राजनीतिक चर्चाओं में कहा जा रहा है कि भावनात्मक और सुरक्षा कारणों से वे यहीं रहना पसंद कर सकते हैं। लेकिन गुलशन घनी आबादी वाला इलाका है। प्रधानमंत्री की तीन-स्तरीय सुरक्षा यहां लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। साथ ही, संसद या सचिवालय जाते समय ट्रैफिक जाम से जनता को परेशानी हो सकती है। सुरक्षा एजेंसियां उन्हें हेयर रोड या मिंटो रोड क्षेत्र में रहने की सलाह दे सकती हैं।

रमजान में इजराइल का बड़ा फैसला

10 हजार फिलिस्तीनी मुसलमानों को अल अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की दी इजाजत

एजेंसी ▶▶ जेरूसलम

इजराइल ने रमजान के मौके पर बड़ा फैसला लिया है। बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने रमजान के दौरान जुम के मौके पर 10 हजार फिलिस्तीनी मुसलमानों को अल अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की परमिशन दी है।

यह मस्जिद पूर्वी यरूशलम में स्थित है और इसे मुसलमान अपने तीसरे सबसे पवित्र स्थल के तौर पर मानते हैं। वहीं यहूदी भी इस परिसर पर दावा करते हैं और उसे टेंपल माउंट मानते हैं।

मिडल ईस्ट में बुधवार से रमजान की शुरुआत हुई है। ऐसे में रमजान से पहले इजरायल का यह फैसला अहम माना जा रहा है।

लेकिन इजराइल ने इस अनुमति में भी एक शर्त लगा दी है। उसका कहना है कि ऐसे ही मुसलमान पुरुषों को अल-अक्सा मस्जिद में नमाज पढ़ने की अनुमति होगी, जिनकी आयु 55 साल से अधिक हो। इसके अलावा महिलाएं भी आ सकती हैं, लेकिन उनकी आयु भी 50 साल से अधिक होनी चाहिए। बच्चों के लिए यह आयु सीमा 12 साल की ही रखी गई है।

एनीमिया पर जागरूकता से ही लग सकती है रोकः मंगुभाई

इंदौर में 12 दिवसीय एनीमिया जागरूकता रथ को राज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

इंदौर। समाज में एनीमिया के प्रति व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से 12 दिवसीय एनीमिया जागरूकता रथ अभियान की शुरुआत मंगलवार को की गई। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रथ को हरी झंडी दिखाकर इंदौर शहर में जनजागरूकता के लिए रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा संचालित यह एनीमिया जागरूकता रथ समाज में इस बीमारी के प्रति व्यापक चेतना फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि एनीमिया की रोकथाम जागरूकता से ही संभव है तथा इस प्रकार के अभियान समाज के सभी वर्गों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनने के लिए प्रेरित करते हैं। यह अभियान सांसद सेवा प्रकल्प इंदौर, आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन एवं एडवांस्ड होम्योपैथिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में तथा होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की राज्य शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी के मार्गदर्शन में संचालित इस कार्यक्रम में जबलपुर शाखा से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. आर.के. चतुर्वेदी, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आर.के. गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री डॉ. अवधेश भट्ट, प्रांतीय कोषाध्यक्ष डॉ. अल्केश खत्री, डॉ. तुलाराम लड़िया, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. रविशंकर नामदेव, डॉ. विकास विश्वकर्मा एवं डॉ. वत्सल उपाध्याय सहित अन्य चिकित्सक इंदौर पहुंचकर सहभागिता प्रदान करेंगे। पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार का एनीमिया जागरूकता अभियान शीघ्र ही जबलपुर में भी आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को एनीमिया के प्रति जागरूक किया जा सके।

महिला की खूबसूरती के थे लाखों दीवाने, 4 सेकंड में खुल गया राज

बीजिंग। सोशल मीडिया पर एक चाइनीज स्ट्रीमर इन दिनों चर्चा में है। इस महिला स्ट्रीमर के लाखों फॉलोवर्स थे। लेकिन, बीते दिनों एक वीडियो अपलोड करने के दौरान उससे ऐसी गलती हुई कि करीब डेढ़ लाख लोगों ने उसे अनफॉलो कर दिया। दरअसल, लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान महिला के ऐप के फ़ल्टिर में टेक्नीकल एरर आ गया, जिसकी वजह से उसका रियल चेहरा सामने आ गया। बताया जा रहा है कि फ़ल्टिर के साथ महिला काफी खूबसूरत दिखती थी, जबकि असलियत ऐसी नहीं थी। उसके असली चेहरे को देखने के बाद उसके फॉलोवर्स का दिल टूट गया और उन्होंने तुरंत उसे अनफॉलो करना शुरू कर दिया।

बदलते मौसम में स्वास्थ्य की रक्षा

ऋतु परिवर्तन के संधिकाल में रखें विशेष सावधानी, आयुर्वेदिक उपायों से बढ़ाएं रोग प्रतिकार शक्ति

नागपुर। मकर संक्रांति के पश्चात ऋतु परिवर्तन के संकेत स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश के साथ दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं। ठंड कम होकर धीरे-धीरे गर्मी का प्रभाव बढ़ता है। इस संधिकाल में सुबह-रात ठंड और दिन में हल्की गर्मी का अनुभव होता है, जिससे शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तापमान में उतार-चढ़ाव और वातावरण में बढ़ते सूखेपन के कारण सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार, गले में खराश, छींक, नाक बहना, शरीर में अकड़न तथा पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपचन और दस्त की शिकायतें बढ़ जाती हैं। दूषित हवा और धूलकणों के कारण फेफड़ों के मरीज, बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। सर्दी-जुकाम या बुखार की स्थिति में त्रिभुवन कीर्ति रस एवं लक्ष्मीविलास रस 1-1 गोली सुबह-शाम लेने की सलाह दी जाती है। खांसी व गले में खराश होने पर सितोपलादि चूर्ण शहद के साथ तथा खदिरादि वटी चूसने से लाभ मिलता है। शरीर में अकड़न और बुखार होने पर महासुदर्शन काढ़ा, महायोगराज गुग्गुलु तथा सर्व ज्वरहर लौह उपयोगी बताए गए हैं। दमा और फेफड़ों के मरीजों के लिए श्वासकल्प टैबलेट लाभकारी मानी गई है। रोग प्रतिकार शक्ति बढ़ाने के लिए नियमित रूप से च्यवनप्राश स्पेशल तथा शुगर के मरीजों हेतु Baidyanath का च्यवनफिट शुगर फ्री सेवन किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में योग, प्राणायाम, श्वसन व्यायाम तथा हल्का एवं सुपाच्य आहार अपनाकर स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है।

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद

भारत–यूरोप कनेक्टिविटी को नई गतिः एपीएसईजेड और मार्सेईल फॉस

जबलपुर। Adani Ports and Special Economic Zone Limited (एपीएसईजेड) और फ्रांस के प्रमुख बंदरगाह Port of Marseille Fos के बीच व्यापार सुगमता, पोर्ट डिजिटलाइजेशन और ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता इंडिया–मिडिल ईस्ट–यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) के तहत प्रमुख बंदरगाहों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। आईएमईसी की घोषणा वर्ष 2023 में नई दिल्ली में आयोजित G20 Summit के दौरान की गई थी। लगभग 6,000 किमी लंबा यह मल्टीमॉडल कॉरिडोर भारत और यूरोप को समुद्री, रेल, डिजिटल और स्वच्छ ऊर्जा मार्गों से जोड़ता है। यह एमओयू फ्रांस के राष्ट्रपति Emmanuel Macron के भारत दौरे के दौरान हुआ, जो भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के विस्तार को दर्शाता है। एपीएसईजेड के होल-टाइम डायरेक्टर एवं सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा कि भारत–ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। उन्होंने बताया कि मुंद्रा और हाजीरा पोर्ट पहले से ही कॉरिडोर के पूर्वी छोर को सशक्त कर रहे हैं और अब मार्सेईल फॉस के जुड़ने से यूरोप तक अंतिम चरण भी मजबूत हो गया है। मार्सेईल फॉस के सीईओ हर्वे मार्टल ने कहा कि यह साझेदारी आईएमईसी कॉरिडोर को संरचित और सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साझेदारी के तहत आईएमईसी पोर्ट्स क्लब की सह-स्थापना, पोर्ट डिजिटलाइजेशन, स्मार्ट प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा, वैकल्पिक ईंधन, कम कार्बन बंकरिंग और मुंद्रा–मार्सेईल फॉस ग्रीन मेरिटाइम कॉरिडोर के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहल भारत–यूरोपीय संघ व्यापार को अधिक संगठित, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आईएमईसी कॉरिडोर को मजबूत करने, ग्रीन मेरिटाइम कनेक्टिविटी और पोर्ट

विरासत

भारत की इकलौती नदी है गंगा जो बहती है पांच राज्यों में

लाखों लोगों के लिए बनी हुई है जीवन का आधार

नई दिल्ली। भारत में कुछ नदियां पूर्व से पश्चिम की ओर तो कुछ पश्चिम से पूर्व की ओर बहती हैं। इस क्रम में वे कई राज्यों की सीमाओं को पार करती हैं। लेकिन, हमारे देश में सबसे अधिक राज्यों से बहने वाली नदी केवल एक है। भारत में अनेक नदियां हैं, जो खेती-बाड़ी के लिए जीवन रेखा के रूप में कार्य करते हुए देश के विकास में सहायता कर रही हैं। साथ ही स्थानीय लोगों की लाइफस्टाइल का दर्पण बनकर भारत की विविध संस्कृति को जीवंत बनाए रखती हैं। इनमें से कुछ नदियां पूरब से पश्चिम तो कुछ पश्चिम से पूरब की ओर बहती हैं। इस क्रम में कुछ नदियां एक राज्य में ही खत्म हो जाती हैं, तो कई नदियां अलग-अलग राज्यों से होकर गुजरती हैं। ऐसे में अगर आपसे पूछा जाए कि भारत की वो इकलौती नदी कौन सी है, जो पांच राज्यों से होकर गुजरती है? क्या आप उसका नाम जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि उस नदी का नाम गंगा है।

11 राज्यों तक फैला हुआ है जलग्रहण क्षेत्र

गंगा नदी 5 राज्यों से होकर बहती है, लेकिन इसका नदी बेसिन (जलग्रहण क्षेत्र) पूरे 11 राज्यों तक फैला हुआ है। यमुना, सोन, चंबल और गंडक जैसी सहायक नदियां अन्य राज्यों में उत्पन्न होकर या बहकर आकर गंगा में मिलती हैं। ये सभी गंगा नदी बेसिन का हिस्सा हैं। इस हिसाब से गंगा के बहने वाले 5 राज्यों के अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली (यमुना नदी बेसिन), राजस्थान (चंबल, बनास जैसी सहायक नदियां), मध्य प्रदेश (चंबल, बेतवा, केन, सोन जैसी सहायक नदियां), छत्तीसगढ़ (सोन नदी की सहायक नदियां) राज्य गंगा नदी बेसिन के अंतर्गत आते हैं।

खुद को शुद्ध करने की क्षमता है गंगा नदी में

गंगा नदी में खुद को शुद्ध करने की क्षमता है। इस नदी में 'बैक्टीरियोफेज' नामक वायरस पाए जाते हैं। ये पानी में हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। देश की अन्य नदियों की तुलना में गंगा में अधिक घुलित ऑक्सीजन (डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन) पाई जाती है। लुप्तप्राय और दुर्लभ 'गंगा नदी डॉल्फिन' इसी नदी में निवास करती हैं। पश्चिम बंगाल में यह नदी दो भागों में बंट जाती है। एक भाग हुगली के रूप में कोलकाता की ओर तो दूसरा पद्मा के रूप में बांग्लादेश की ओर चला जाता है। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियां मिलकर जहां बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं, वहां दुनिया का सबसे बड़ा नदी मुहाना (डेल्टा) 'सुंदरबन डेल्टा' बनता है।

गंगोत्री को गंगा नदी का माना जाता है उद्गम स्थल

उत्तराखंड में गंगोत्री को गंगा नदी का उद्गम स्थल यानी जन्म स्थान माना जाता है। वहां इसे भागीरथी के नाम से पुकारा जाता है। यह देवप्रयाग में अलकनंदा नदी से मिलकर गंगा नदी बनती है। लगभग 2,525 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह नदी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है।

अलकनंदा से मिलकर बढ़ाती है अपनी शक्ति

उत्तराखंड से निकलने वाली यह नदी अलकनंदा से मिलकर अपनी शक्ति बढ़ाती है। वहां से उत्तर प्रदेश के हरिद्वार, प्रयागराज और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक शहरों को छूती हुई बहती है। उसके बाद यह बिहार में बक्सर जिले में प्रवेश करती है। इसके बाद पटना, भागलपुर क्षेत्रों में यह नदी 30 मीटर से अधिक (लगभग 100 फीट) गहरी हो जाती है। फिर यह झारखंड के साहिबगंज जिले में केवल थोड़ी दूरी तक बहती है।

मछली पकड़ने नदी में एक साथ कूदे हजारों मछुआरे, भव्य और हैरान करने वाला नजारा

अबूजा। मछली पकड़ना कुछ लोगों का शौक होता है तो कुछ लोगों की जरूरत। पर क्या आपने कभी मछली पकड़ने को कंप्टीशन की तरह देखा है? हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हजारों मछुआरे एक साथ नदी में कूदकर मछली पकड़ते नजर आ रहे हैं। ये नजारा जितना भव्य है, उतना ही हैरान करने वाला भी है। ऐसा लग रहा है कि ये लोग किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हैं और जल्द से जल्द मछली पकड़ लेना चाहते हैं।

CHANGE OF NAME

I, No-15438384K Nk (DVRMT) Suneel Kushawah, resident of Village Gudankhedi, Post Uhar, Tehsil Nateran, District Vidisha, State Madhya Pradesh, PIN 464221, hereby state that in my service documents, my wife's name is mentioned as 'Sandhya Kushwah' instead of 'Sandhya'.

क्लासीफाईड
आवश्यकता है
आपके अपने क्षेत्र के ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक शॉप, जनरल स्टोर, मेडिकल स्टोर में Alfa Youth Brand के पर्सनल केयर (कॉस्मेटिक) बेबी डायपर, सैनेटरी पैड की मार्केटिंग, सेलिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। पेमेंट 26000 से 34000
Whatsapp Only
9098427938 (39948)

यहां लगी है घुटनों पर बैठे पति-पत्नी की मूर्ति, बेइंतहा नफरत करते हैं लोग

बीजिंग। यूं तो दुनिया में सैकड़ों लोगों की मूर्तियां चौक-चौराहों पर लगी हैं, जिन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है, फूल-माला पहनाए जाते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक कपल की ऐसी भी मूर्ति है, जिसका सम्मान करना तो दूर, लोग उसके ऊपर थूकते हैं, उसे थप्पड़ और लात-घूंसे मारते हैं। ये पति-पत्नी घुटनों के बल बैठे दिखाए गए हैं और उनका सिर नीचे झुका है। इन दोनों को देश का सबसे ज्यादा नफरत किए जाने वाले लोग माना जाता है। ऑडिटी सेंट्रल न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार चीन के हांग्जू शहर में दो मूर्तियां हैं, जिनका इतिहास 500 साल पुराना है। ये मूर्तियां किन हुई (किन हुई प्रतिमा चीन) और उनकी बीवी की है। किन हुई, 12वीं सदी में चीन के सॉन्ग साम्राज्य में एक बड़े पद पर आसीन अधिकारी थे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, गाडरवारा, जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)
(Near Water Tank, Gadarwara, E-Mail - cmogadarwada@mpurban.gov.in)

पत्र क्र.2549/ई-टेण्डर / 2025-26 — **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** — गाडरवारा, दिनांक 17/02/2026

कार्यालय नगर पालिका परिषद, गाडरवारा द्वारा विभिन्न निर्माण एवं विकास हेतु समय-समय पर सर्वे कार्य, डी.पी.आर. बनाने तथा कंसल्टेन्सी कार्य हेतु कंसल्टेन्ट ऐम्पेनलमेन्ट के लिये सक्षम श्रेणी में पंजीकृत कंसल्टेन्ट / कंपनी / फर्मों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD _477713_1 18.02/2026	Invitation for empanelment of Consultant for Survey. Preparing of DPR and Providing consultancy services for various development work at Nagar Palika Parishad, Gadarwara Distt. - Narsinghpur	12 माह	5000.00 25000.00	10.03.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

श्री पं. शिवाकांत मिश्रा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा
श्री सुरेन्द्र गूजर, सभापति, लोक निर्माण शाखा, गाडरवारा
श्री वैभव देशमुख, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15438384K Naik Suneel Kushawah is presently posted in 471 Field Hospital, Senge (Arunachal Pradesh). I am residing at Village- Gudnkhedi, Post Office- Uhar, PS- Natern, Tehsil- Natern, District- Vidisha, State- Madhya Pradesh, PIN-464221. I want to change my father DOB in my service record i.e. 13 May 1966 to 01 Jan 1966, which is correct DOB.

CHANGE OF NAME

I, Army No- 15438384K Naik Suneel Kushawah is presently posted in 471 Field Hospital, Senge (Arunachal Pradesh). I am residing at Village- Gudnkhedi, Post Office- Uhar, PS- Natern, Tehsil- Natern, District- Vidisha, State- Madhya Pradesh, PIN-464221. I want to change my mother Name and DOB in my service record i.e. "Guddibai" to "Guddi Bai" and "15 Aug 1970" to "01 Jan 1976", which is correct Name and DOB.

आवश्यकता

आवश्यकता है - अनुभवी सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- साई सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 722302602, 8889997826 (बिलासपुर /04/मार्च 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल

मिथुन — मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

कर्क — किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या — मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

शब्द पहेली - 6143

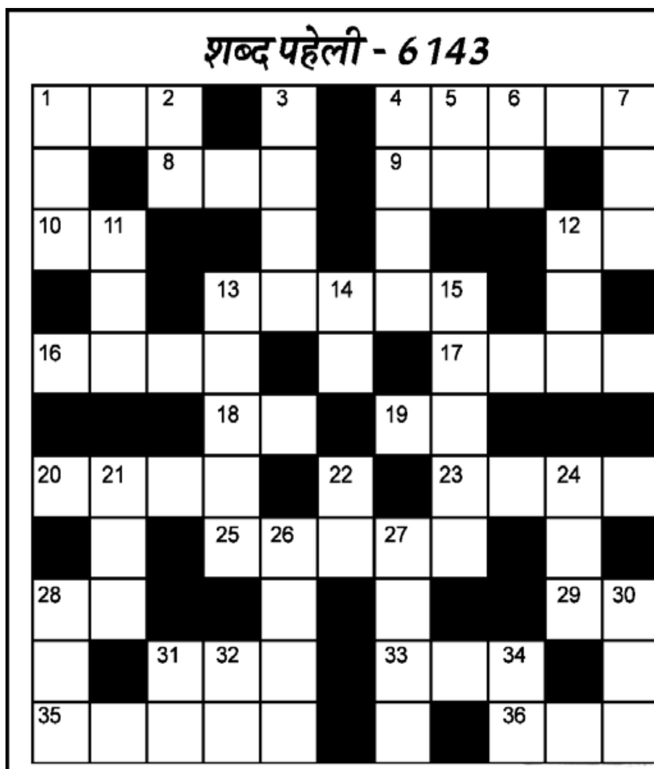

बाएँ से दाएँ
1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़प्पन-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे
1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -6142 का हल

सूडोकु नवताल- 6153

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANDAL SEMACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6152 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, बंगाल को हराकर फाइनल में 67 साल बाद एंट्री

रणजी ट्रॉफी : बंगाल को 6 विकेट से दी शिकस्त, आकिब नबी ने चटकाए 9 विकेट

एजेंसी ▶▶| कल्याणी

जम्मू कश्मीर ने सेमीफाइनल के चौथे दिन दो बार के पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से करारी शिकस्त देकर अपने 67 साल के इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। बंगाल ने जम्मू कश्मीर के सामने 126 रन का लक्ष्य रखा था।

जम्मू कश्मीर में 34.4 ओवर में चार विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से वंशज शर्मा ने नाबाद 43 और अब्दुल समद ने नाबाद 30 रन बनाए। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मैच में 9 विकेट लेकर बंगाल की जीत की संभावनाओं को पूरी तरह से खत्म कर दिया था।

जम्मू-कश्मीर को लगे पहली जीत दर्ज करने में 44 साल

जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था। जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे। उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982-83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी। उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा लेकिन 2013-14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उसने 2015-16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

वंशज-समद ने दिलाई ऐतिहासिक जीत

जम्मू कश्मीर ने मंगलवार को तीसरे के दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 43 रन बनाए थे। उसने चौथे दिन की शुरुआत में ही अविजित बल्लेबाज शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (09) के विकेट गंवा दिए, लेकिन वंशज और समद ने बंगाल के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और 55 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

बंगाल नहीं उठा पाया बढ़त का फायदा

बंगाल ने अपनी पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर ने 302 रन बनाए। बंगाल हालांकि पहली पारी की मामूली बढ़त का फायदा नहीं उठा पाया और उसकी टीम दूसरी पारी में केवल 99 रन पर आउट हो गई। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए नबी ने कहा, 'पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल में हार गए थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की और हम इसके हकदार थे।'

आईसीसी रैंकिंग

ईशान की सुनामी, लगाई 17 पायदान की छलांग

टॉप-10 में भारतीयों का दबदबा

एजेंसी ▶▶| दुबई

ईशान किशन का शानदार प्रदर्शन जारी है। टी20 वर्ल्ड कप में बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ने धुआंधार बल्लेबाजी की है। इसका फायदा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में हुई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। इशान किशन ने 17 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में एंट्री कर ली है। टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग की बात करें तो भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। शीर्ष-10 बल्लेबाजों में 4 भारतीय हैं। अभिषेक शर्मा पहले, तिलक वर्मा चौथे, सूर्यकुमार यादव छठे और इशान किशन आठवें नंबर पर हैं। तिलक वर्मा को एक स्थान का फायदा हुआ है। अभिषेक और सूर्यकुमार के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

निसांका तीसरे नंबर पर पहुंचे

ईशान किशन के अलावा साउथ अफ्रीका के रयान रिकेल्टन ने 22 स्थान की छलांग लगाई है। वह 11 नंबर पर पहुंच गए। कप्तान एडेन मार्कराम ने 6 स्थान की छलांग लगाई है। वह 15वें नंबर पर पहुंच गए। टी20 वर्ल्ड कप में पहला शतक लगाने वाले पथुम निसांका ने तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान को 2 स्थान का नुकसान हुआ है।

अयूब-रजा के बीच दिलचस्प लड़ाई

टी20 में ऑलराउंडर्स की रैंकिगं में पाकिस्तान के सैम अयूब और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा के बीच दिलचस्प लड़ाई चल रही है। अयूब 303 रेटिंग अंक के साथ पहले और सिंकदर रजा 297 रेटिंग अंक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। हार्दिक पंड्या 282 रेटिंग अंक के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

चक्रवर्ती नंबर-1 गेंदबाज

टी20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 796 रेंटिंग के साथ शीर्ष पर हैं। अफगाविस्तान के कप्तान राशिद खान एक स्थान ऊपर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। जिम्बाब्वे के ब्रैंड इवांस को 10 स्थान का फायदा हुआ। वह 5वें नंबर पर पहुंच गए।

खबर संक्षेप

डीएलटीए ने किया डेविस कप टीम को सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने चल रहे दिल्ली ओपन के दौरान नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय डेविस कप टीम को सम्मानित किया। भारत ने इस महीने की शुरु में बेंगलुरु में एक रोमांचक मुकाबले में छठी रैंकिंग वाली नीदरलैंड की टीम को 3-2 से हराकर सितंबर में होने वाले क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय टीम की तब रैंकिंग 33 थी। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा, 'डीएलटीए में हम हर स्तर पर भारतीय टेनिस का समर्थन करने और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' सुमित नागल ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। आप कोर्ट में जाकर अपना मैच जीतते हैं तो यह आसान होता जाता है। स्विट्जरलैंड में हमें दो अंक मिले और इस बेंगलुरु मुकाबले में युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने सभी अंक हासिल किए। आखिर में डेविस कप मुकाबला टीम के बारे में है और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

21 फरवरी से एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप

नई दिल्ली। सेना के हरमनजोत सिंह 12 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल होंगे, जो 21 फरवरी से जापान के फुकुओका में होने वाली 18वीं एशियाई क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि टीम बुधवार को जापान के लिए रवाना होगी। एएफआई ने पिछले महीने झारखंड के रांची में हुई 60वीं राष्ट्रीय क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर टीम चुनी। भारतीय खिलाड़ी सीनियर पुरुष, महिला और अंडर-20 ग्रुप में हिस्सा लेंगे।

मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में चमक नहीं : पोंटिंग

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद कहा कि यह बहुत खराब अभियान रहा और मौजूदा टीम में वह चमक नहीं है, जो वैश्विक टूर्नामेंट में पिछली टीमों में हुआ करती थी। आईसीसी 'रिव्यू' में पोंटिंग ने कहा कि कागज पर यह टीम उन पिछली ऑस्ट्रेलियाई टीम जैसी प्रभावशाली नहीं दिखती, जिन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट में दबदबा बनाया था। पोंटिंग ने कहा, 'जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को कागज पर देखते हैं, तो उसमें वह आभा नजर नहीं आती जो कई अन्य ऑस्ट्रेलियाई टीम में आईसीसी टूर्नामेंट और विश्व कप से पहले दिखाई देती थी।' उन्होंने कहा, 'इन टूर्नामेंटों में आगे बढ़ने और जीतने के लिए आपके सर्वश्रेष्ठ और सबसे अनुभवी खिलाड़ियों को बड़े मौकों पर प्रदर्शन करना होता है। ऑस्ट्रेलिया को वह प्रदर्शन नहीं मिला।'

34वां मुकाबला : बॉश ने किए तीन शिकार, रहे प्लेयर ऑफ द मैच

द. अफ्रीका ने लगाया जीत का चौका, 40 गेंद शेष रहते यूएई पर 6 विकेट से फतह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका ने शानदार खेल जारी रखते हुए टी20 वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत दर्ज की। उसने ग्रुप डी के अपने आखिरी मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को छह विकेट से मात दी। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 123 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने चार विकेट गंवाकर 14वें ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले यूएई की टीम पहले बैटिंग करते हुए छह विकेट पर 122 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से अलीशान शराफू ने सर्वाधिक 45 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की तरफ से कॉर्बिन बॉश ने 12 रन देकर 3 विकेट लिए तो एनरिक नॉर्त्जे को 28 पर 2 दो सफलता मिली। कॉर्बिन बॉश प्लेयर ऑफ द मैच रहे। साउथ अफ्रीका ने पहले तीन मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली थी। वहीं यूएई इस रेस से बाहर था।

मार्करम ने दिया आतिशी आगाज

लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका को कप्तान एडन मार्करम ने आतिशी आगाज दिया। उन्होंने 11 गेंद में पांच चौकों व एक छक्के से 28 रन उड़ाए। क्विंटन डिकॉक 16 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। रयान रिकल्टन ने 16 में 30 तो डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में 36 रन बनाते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। रिकल्टन ने तीन चौके व दो छक्के तो ब्रेविस ने एक चौका व तीन छक्के उड़ाए। ट्रिस्टन स्टब्स व जेसन स्मिथ ने मिलकर जीत की औपचारिकता पूरी की।

यूएई की तरफ से सराफू ने बनाए सर्वाधिक रन

यूएई की तरफ से शराफू ही बना सके रन

पहले बैटिंग करते हुए यूएई ने आगाज अच्छा किया। कप्तान मोहम्मद वसीम ने 12 गेंद में चार चौकों से 22 रन बनाए। उनके साथी ओपनर आर्यांश शर्मा ने 17 गेंद में 13 रन की पारी खेली। लेकिन इसके बाद शराफू ही रन जुटा सके। उन्होंने 39 गेंद का सामना किया और पांच चौके व एक छक्का लगाया। बाकी बल्लेबाज हवाई शॉट खेलने की कोशिशों में आउट होते चले गए।

नॉर्त्जे ने रचा कीर्तिमान

सर्वाधिक विकेट लेने में बने नंबर-2 गेंदबाज

साउथ अफ्रीका के गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे ने 4 ओवरों में 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इसी के साथ नॉर्त्जे टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। नॉर्त्जे ने साल 2021 से अब तक टी20 वर्ल्ड कप मुकाबलों में 37 विकेट हासिल किए हैं, जबकि पूर्व श्रीलंकाई खिलाड़ी लसिथ मलिंगा 31 मुकाबलों में 38 विकेट लेकर शीर्ष पर मौजूद हैं। साउथ अफ्रीकी टीम सुपर-8 में तीन मैच खेलेगी, जिसमें नॉर्त्जे के पास मलिंगा से आगे निकलने का मौका होगा। तेज गेंदबाजों की इस लिस्ट में टिम साउदी तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 25 मुकाबलों में 36 विकेट निकाले है।

प्रीव्यू : तेज गेंदबाजों के दम पर टीम इंडिया का बढ़त हासिल करना लक्ष्य

महिला टी20 : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज दोपहर 1.45 बजे से मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को जब दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी तो वह पहले मैच में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पहले मैच में चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को झकझोर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रन पर आउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि बारिश के कारण खेलने का खास मौका नहीं

मिला। भारत ने यह मैच डकवर्थ-लुईस प्रणाली के आधार पर जीता, जिसमें केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ही कुछ समय क्रीज पर बिता पाईं।

भारत एक बार फिर शेफाली की तूफानी शुरुआत पर निर्भर रहेगा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा मंधाना की करिश्माई बल्लेबाजी तथा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है। तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतने से भारत को आत्मविश्वास मिलेगा । नई कप्तान सोफी मोलिनी की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बदला लेने और श्रृंखला बराबर करने के लिए बेताब होगी।

आचार संहिता के उल्लंघन पर मुन्से को आईसीसी की फटकार

मुंबई। स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से को यहां नेपाल के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच के दौरान विज्ञापन बोर्ड पर अपना हेलमेट

फेंकने के लिए फटकार लगाई गई है और एक डिमेरिट अंक दिया गया है। मुन्से को खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या पोशाल, मैदान के उपकरण या साजो-सामान के दुरुपयोग' से संबंधित है। इसके अलावा मुन्से के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

35वां मुकाबला : नामीबिया को हराकर 'सुपर-8' में पाकिस्तान, फरहान का नाबाद शतक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पाकिस्तान ने बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप के 35वें मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ 102 रन से जीत दर्ज करते हुए 'सुपर-8' में जगह बना ली है। सुपर-8 में पाकिस्तानी टीम 21 फरवरी को न्यूजीलैंड के विरुद्ध मुकाबला खेलेगी, जिसके बाद 24 फरवरी को इंग्लैंड से उसकी भिड़ंत होगी। पाकिस्तान सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंकाई टीम को चुनौती देगा। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 3 विकेट खोकर 199 रन बनाए।

नामीबियाई टीम 97 रन पर सिमटी

इसके जवाब में नामीबियाई टीम 17.3 ओवरों में महज 97 रन पर सिमट गई। नामीबिया की तरफ से लौरेन स्टीनकैंप ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि अलेक्जेंडर वोल्शेंक ने 20 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। पाकिस्तान की तरफ से उस्मान तारिक ने 3.3 ओवरों में 16 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि शादाब खान ने 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

रिंडरकनेच को हराकर 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट हासिल की फतह

कतर ओपन : अल्काराज की जीत के साथ शानदार शुरुआत

एजेंसी ▶▶| दोहा

कार्लोस अल्काराज ने कतर ओपन की शुरुआत जीत के साथ की है। अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की है। 22 साल के अल्काराज ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट पॉइंट बचाए और फिर टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके अपनी 150वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत हासिल की।κजीत के बाद अल्काराज ने कहा, "यह सच में मुश्किल था। आर्थर सच में एक खतरनाक खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले राउंड में नहीं खेलना चाहता। मुझे खुशी है कि मैं मैच में मुश्किल पलों से निकल गया। मुझे खुशी है कि मैं शांत और सकारात्मक रहा, और शानदार टेनिस खेला।"

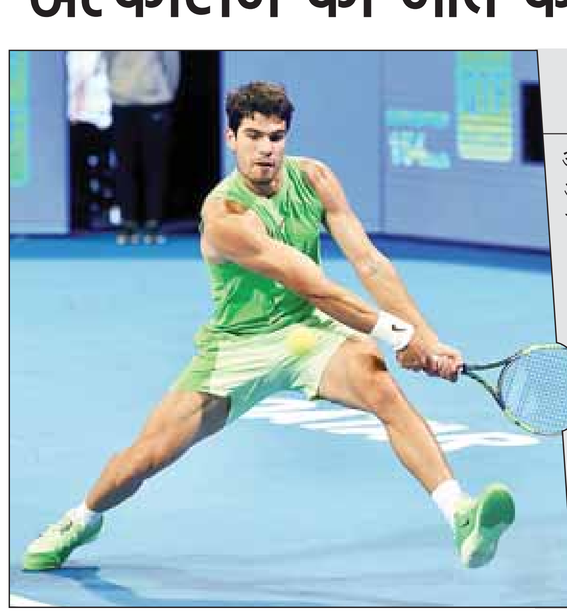

अगला मुकाबला वैलेन्टिन रॉयर से

अल्काराज पिछले साल दोहा में अपने डेब्यू के नतीजे को बेहतर करना चाहते हैं, जहां वह क्वार्टर-फाइनल में जिरी लेहेका से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी का अगला मुकाबला फ्रेंचमैन वैलेन्टिन रॉयर से होगा। अल्काराज चैंपियनशिप मैच में दूसरे सीड सिनर से भिड़ सकते हैं। इससे पहले, स्पेन के इस खिलाड़ी का क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है।

खाचानोव ने मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से दी मात

एक अन्य मैच में खाचानोव ने लकी लूजर शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। सातवें सीड वाले खाचानोव का दूसरे राउंड में मार्टन फुकसोविक्स से मुकाबला होगा। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन एंड्री रुबलेव ने बाद में धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग पर 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। पांचवें सीड, जिन्होंने 2020 में दोहा ट्रॉफी भी जीती थी, जब यह एटीपी 250 था, अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया। स्टेफानोस त्सित्सिपास ने ट्यूनीशियाई वाइल्ड कार्ड मोएज इचारगुई पर 6-4, 6-4 से जीत के साथ अपने दोहा कैंपेन की शुरुआत की और लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी डेनियल मेदवेदेव के साथ दूसरे राउंड का मुकाबला बुक किया।

एक दशक बाद पैरालंपिक में रूसी ध्वज की वापसी

एजेंसी ▶▶| मिलान

रूसी खिलाड़ी एक दशक से अधिक समय में पहली बार पैरालंपिक शीतकालीन खेलों में अपने देश के ध्वज के तले प्रतिस्पर्धा करेंगे और उसके किसी खिलाड़ी के स्वर्ण पदक जीतने पर पदक वितरण समारोह में रूस का राष्ट्रगान बजाया जाएगा।

लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से काफी पहले ओलंपिक जगत में रूस और उसकी राष्ट्रीय पहचान पूरी तरह से बहाल हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने कहा कि रूस की राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति को आगामी मिलान कोर्टिना पैरालंपिक खेलों के लिए छह स्थान आवंटित किए गए हैं। यह 2014 में रूस के सोची में हुए

पैरालंपिक शीतकालीन खेलों के बाद पहली बार होगा जब पैरालंपिक खेलों में रूस का ध्वज फहराया जाएगा। रूस पर पहले सरकार प्रायोजित डोपिंग कार्यक्रम के कारण प्रतिबंध लगाया गया था।

इसके बाद 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से उसके खिलाफ प्रतिबंध जारी रखे गए। रूस के करीबी सहयोगी बेलारूस पर भी 2022 से प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन मिलान कोर्टिना में उसके लिए चार स्थान उपलब्ध होंगे।

एनडीपीएस कोर्ट का फैसला : डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगाया

889 किलो गांजा तस्करी मामले में तीन को 15-15 वर्ष का कारावास

नारकोस्टिक्स कंट्रोल ब्यूरो, इंदौर ने सालीबाड़ा टोल प्लाजा, जबलपुर में किया था गिरफ्तार

हरिभूमि जबलपुर।

एनडीपीएस के विशेष न्यायाधीश प्रवेंद्र कुमार सिंह की अदालत ने 889 किलो गांजा तस्करी के आरोपित कोइलवर, सुरौंधा कालोनी, आरा, भोजपुर, बिहार निवासी अरुण कुमार शर्मा, रणजीत उर्फ रंजीत शर्मा और गंगा चौधरी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ तीनों को 15-15 वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लगाया। जबकि मामले में दो अन्य आरोपितों भूपेंद्र सिंह उर्फ चुनचुन, अकौरा, बरहारा, भोजपुर, बिहार व ऋषि पांडे, ग्राम इतरहा, मैहर, सतना को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया। इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, इंदौर की ओर से विशेष लोक अभियोजक अरविंद जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 16 नवंबर, 2020

को नारकोस्टिक्स कंट्रोल ब्यूरो, इंदौर ने सालीबाड़ा टोल प्लाजा, जबलपुर पहुंचकर आरोपितों को गिरफ्तार किया था। ट्रक क्रमांक-सीजी-07, सीडी-0462 में गांजा परिवहन किया जा रहा था। लिहाजा, अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया। दरअसल, एनसीबी, इंदौर के अधिकारी राजेश कुमार यादव को 15 नवंबर, 2020 को गुप्ता सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके आधार पर आरोपितों को पकड़ने टीम रवाना कर दी गई थी।

विशेष अदालत ने लोकायुक्त की खात्मा रिपोर्ट निरस्त की

उपसंचालक, कृषि विपणन बोर्ड कुमरे पर भ्रष्टाचार के आरोप का मामला

जबलपुर। विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, मनीष सिंह ठाकुर की अदालत ने विशेष स्थापना पुलिस, लोकायुक्त द्वारा पेश खात्मा रिपोर्ट को अनुचित पाते हुए निरस्त कर दिया। मामला सुरेश कुमरे उप संचालक, मप्र कृषि विपणन बोर्ड, आंचलि कार्यालय, जबलपुर पर भ्रष्टाचार के आरोप से संबंधित था। अभियोजन के अनुसार 1994 में कुमरे की नियुक्ति रीवा में शिक्षक वर्ग-तीन के पद पर हुई थी, जहां वे 2002 तक पदस्थ रहे। इसके बाद 2003 में सहायक संचालक, मंडी बोर्ड सागर में पदस्थ हुए। लोकायुक्त द्वारा अपराध पंजीबद्ध किए जाने के समय वे मंडी बोर्ड, जबलपुर में उप संचालक के पद पर पदस्थ थे। उनके विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली। लिहाजा, अपराध पंजीबद्ध किया गया। उनके निवास स्थान की तलाशी ली गई। चल-अचल संपत्तियों के बारे में जानकारी मिली। स्वयं के नाम और पत्नी व पुत्रों के नाम दर्ज संपत्ति का आकलन करने पर पाया गया कि सेवा अवधि में अर्जित वास्तविक आय से अधिक संपित्ति एकत्र की गई। जिसके बचाव में कृषि आय का तर्क दिया गया। इसी आधार पर लोकायुक्त द्वारा अदालत के समक्ष खात्मा रिपोर्ट पेश कर दी गई। लेकिन विशेष अदालत ने अपने आदेश में साफ किया कि लोकायुक्त को अतिरिक्त अन्वेषण करना था, जो नहीं किया गया। इसलिए खात्मा रिपोर्ट स्वीकार करने योग्य नहीं है। आरोपित के विरुद्ध प्रकरण विचाराधीन रहेगा।

भोजशाला विवाद से जुड़ा मामला वापस इंदौर बेंच भेजा

जबलपुर। मप्र। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने बहुचर्चित भोजशाला विवाद से जुड़ा मामला वापस इंदौर बेंच भेज दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा, चूंकि भोजशाला स्ट्रक्चर धार जिले में है और वो इंदौर बेंच के क्षेत्राधिकार में आता है इसलिए मामला वहीं भेजा जाए। चीफ जस्टिस की बेंच ने रजिस्ट्री को निर्देश दिए कि मामले से जुड़े सभी रिकॉर्ड इंदौर बेंच भेजे जाएं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि एएसआई की सीलबंद लिफाफे में बंद रिपोर्ट की कॉपी सभी पक्षों को देने के सबंध में भी इंदौर बेंच ही निर्णय लेगी। मामले पर अगली सुनवाई 23 फरवरी को इंदौर बेंच में होगी। हालांकि राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह सहित अन्य वकीलों ने मामला मुख्यपीठ जबलपुर में ही सुने जाने का निवेदन किया था। इस पर चीफ जस्टिस ने साफ किया कि क्षेत्राधिकार की दृष्टि से यह मामला इंदौर बेंच में ही सुनवाई योग्य है।

इंदौर बेंच ने भेजा था मुख्यपीठ

हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस व अन्य की ओर से दाखिल कुल 4 याचिकाओं पर 16 फरवरी को हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की डिवीज़न बेंच में सुनवाई थी। इस विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 22 जनवरी को दिए गए आदेश पर गौर करने के बाद जस्टिस शुक्ला की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले को मुख्यपीठ जबलपुर में ट्रांसफर करने कहा, ताकि प्रशासनिक स्तर पर चीफ जस्टिस उचित आदेश पारित कर सकें। इसके बाद भोजशाला विवाद से जुड़े सभी 5 मामले चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली डिवीज़न बेंच के सामने बुधवार को सूचीबद्ध किये गए थे।

ये है मामला

पूजा के अधिकार बनाम नमाज की अनुमति को लेकर मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में यह मामला हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस व अन्य की ओर से दाखिल किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि 1010 से 1055 ईस्वी के बीच राजा भोज द्वारा निर्मित भोजशाला नाम के इस स्थल में देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर था और यह संस्कृत शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। यहां वेद, शास्त्र, ज्योतिष और खगोल जैसे विषयों की शिक्षा दी जाती थी। याचिका में कहा गया है कि यह स्थान सनातन परंपराओं का संरक्षण करने वाला आदर्श गुरुकुल था। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि बाद के मुस्लिम शासकों ने भोजशाला परिसर को क्षति पहुंचाई, लेकिन इसकी धार्मिक पहचान नहीं बदल सकी और हिंदू श्रद्धालु लगातार पूजा करते रहे। वहीं ब्रिटिश काल में इसे "कमाल मौला मस्जिद" के रूप में प्रचारित करने की कोशिश की गई, जिसे याचिका में तथ्यों के विपरीत बताया गया है।

प्रेमी ने दोस्तों के साथ मिलकर की थी हत्या

सिमरिया में अंधे हत्या की गुत्थी सुलझी

जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत नुनसर चौकी क्षेत्र में सिमरिया गांव एमएम इंटरनेशनल स्कूल के पीछे विगत दिनों मिली एक युवती की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक युवती तिलवारा क्षेत्र की रहने वाली थी और उसकी पहचान 18 वर्ष 6 महीने की तनू चक्रवर्ती के रूप में हुई थी। शिनाख्तगी के बाद शक के आधार पर पुलिस ने योगेश उर्फ ईशू को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की तो पूरा राज खुल गया । दरअसल आरोपी योगेश उर्फ ईशू और तनू के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था । 14 फरवरी को वैलेंटाईन डे प

ईशू ने तनू को बुलाया था । तनू अपने घर में सहेली की शादी का बहाना करके निकली थी । पूछताछ में ईशू ने स्वीकार किया कि तनू शादी के लिये दबाव बना रही थी । इसी बात को लेकर विवाद हुआ तो उसने अपने दोस्तों पकंज बर्मन निवासी तिलवारा और परसवाड़ा निवासी अंकित श्रीवास के साथ मिलकर पत्थर पटक कर तनू की हत्या कर दी । पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का है, लड़की शादी के लिये दबाव बना रही थी, जिसे रास्ते से हटाने के लिये प्रेमी ने ही कत्ल कर लाश को मेढ़ पर फेंक दिया । युवती प्रेमी पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी, जिससे परेशान होकर ही उसने युवती को रास्ते से हटाने वारदात को अंजाम दिया । और प्रेमिका की हत्या कर लाश को नुनसर के लमती में खेत में फेंका दिया। ज्ञातव्य हो कि नुनसर पुलिस चौकी अंतर्गत सुनसान इलाके में एक खेत की मेढ पर युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है एक अभी फरार है ।

टाल में हिस्सेदारी का झांसा देकर हड़प लिए 70 लाख रूपए

जबलपुर। गढ़ा थानांतर्गत एक टिम्बर कारोबारी को एक जालसाज ने टाल खोलने के नाम पर झांसा देकर 70 लाख रूपए हड़प लिए। बाद में जब टिम्बर व्यवसायी ने शक होने पर छानबीन की तो आरोपी व्यक्ति द्वारा कई लोगों के साथ धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी मिली । इसके बाद परेशान व्यवसायी ने इस मामले की रिपोर्ट पुलिस से की है। इस संबंध में गढ़ा थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गढ़ा निवासी संस्कार जैन का गंगा नगर में अरिहन्त टिम्बर है । उसके परिचित भरत कालोनी निवासी शुभम गुप्ता ने 10 सितम्बर 2024 को अपनी टाल खोलना चाहता है। और इस तरह उसने संस्कार को टाल में इन्वेस्ट करने और आधा मुनाफा देने का वादा किया । लिहाजा संस्कार ने अपने दोस्त पुरवा निवासी आशीष जैन को पार्टनर बनने के लिये तैयार कर लिया। शुभम गुप्ता के धोखे में आकर आनलाइन यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस व नगद के माध्यम से करीब 70 लाख रुपये शुभम गुप्ता को दिये। न टाल खुला न पैसे वापस किय, तब जाकर मामला पुलिस की दहलीज तक पहुंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और बाईक के मूवमेंट से पुलिस को मिली सफलता

सात लाख का हार लूटने वाले पकड़ाए

जबलपुर। माढ़ोताल थानांतर्गत गत 9 जनवरी को बजरंग नगर में भोपाल से एक विवाह समारोह में शामिल होकर अपने पती के साथ लौट रही महिला के गले से सात लाख का सोने का हार लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

माढोताल थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह पवााया कि सीसीटीवी फुटेज और बाइक के मूवमेंट के आधार पर पुलिस ने कंचनपुर निवासी दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। उनसे लूटा गया 5 लाख तोले का कीमती 7 लाख का हार और घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल बरामद कर ली गई।

उन्होंने बताया कि पकड़े गये आरोपी कंचनपुर अधारताल निवासी 21 वर्षीय प्रिंस हल्दकार और 20 वर्षीय तनिष्क कोरी को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने लूट का हार अपनी मोटर सायकल के टूल बाक्स में छिपाकर रखा था। घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक जेडक्यू 9134 जप्त कर ली गई है । ज्ञातव्य है कि यादव कालोनी निवासी 53 वर्षीय श्रीमति मीना सोनी अपने पती अनिल सोनी के साथ भोपाल एक विवाह समारोह में शामिल होने गईं थीं। बजरंग नगर में करमेता के पास जब वे बस से अपना सामान उतार रहीं थीं, तभी बाइक सवार

होकर आए दो बदमाश उनके गले से सोने का हार लूट कर फरार हो गये थे।

लूटे गये हार की कीमत लगभग सात लाख रुपय आंकी गई थी। वारदात के बाद शिकायत पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की। इस दौरान पुलिस ने घटना स्थल और आसपास के रास्तों पर लगे करीब 15 सीसीटीवी कैमरों के 20 फुटेज खंगाले। इन फुटेज के आधार पर आरोपियों की बाइक की मूवमेंट ट्रैक की गई, जो विजयनगर क्षेत्र से पाठ बाबा और वहां से कंचनपुर की ओर जाती पाई गई। अंततः तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने दोनों आरोपियों को उनके निवास क्षेत्र कंचनपुर से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान स्थापित हो चुकी है और अब उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 309 (4) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया था, आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने बिना चार्जशीट सेवामुक्त करने पर अंतरिम रोक लगाई

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने ग्राम पंचायत टिकुरी की सरपंच को बिना चार्जशीट दिए सेवामुक्त करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट ने जिला पंचायत जबलपुर सीईओ, जनपद पंचायत मझौली सीईओ और एसडीओ सिहोरा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सीता देवी चौकसे की ओर से दलील दी गई कि आर्थिक अनियमितता के आरोप में जिला पंचायत सीईओ ने तीन फरवरी को याचिकाकर्ता सरपंच को सेवा से पृथक करने का आदेश जारी कर दिया। दलील दी गई कि उक्त आदेश जारी करने से पहले पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 में दिए प्राविधानों का पालन नहीं किया गया। याचिकाकर्ता को कोई चार्जशीट नहीं दी गई और केवल कारण बताओ नोटिस के आधार पर सीधे सेवामुक्त कर दिया गया।

महंगी पड़ी गोवा की टिकिट

महिला के खातों से चार लाख उड़ाए

जबलपुर। सिविल लाईन थानान्तर्गत एक महिला को रेल्वे स्टेशन पर गोवा जाने के लिए टिकट लेने पेटीएम के माध्यम से भुगतान करना महंगा पड़ा गया। जब महिला के बैंक खाते से टिकट के पैसे कटने पर काउंटर में बैठी महिला क्लर्क को पैसे नहीं मिले तो महिला ने पैसों के रिपंड के लिए गुगल के माध्यम से कम्प्लेन दर्ज कराने हेल्पलाइन नंबर सर्च किया जो अज्ञात जालसाज ने उसे वाटसअप कॉल कर महिला को रेल्वे के कॉल सेन्टर का कर्मचारी बताकर महिला के बैंक खातों की जानकारी लेकर रिफंड का झांसां देकर अलग-अलग खातों से चार लाख *२ हजार निकाल लिये। सिविल लाईन पुलिस ने बताया कि अपसरा अपार्टमेंट सिविल लाईन निवासी श्रीमती नंदिता बोस की ससुराल सिवनी में है। वे कुछ दिनों से अपने मायके सिविल लाईन जबलपुर में पिता के साथ रह रही है। गत *१ जनवरी को नंदिता ने अपने पिता सपन बोस व बेटी लुनासा सरकार के साथ गोवा जाने के लिए रेलवे टिकिट करवायी थी जिसके ९४२० रूपए उन्होंने पेटीएम के माध्यम से रेलवे स्टेशन में पेमेंट किए थे। काउंटर में बैठी महिला क्लर्क ने नंदिता को बताया कि पैसे का पेमेंट नहीं मिला है। हालांकि नंदिता के खाते से पैसे कट गये थे। नंदिता के पूछने पर मैडम ने बताया कि २४ घंटे के अंदर रिफंड हो जायेगा लेकिन उसके खाते में पैसे नहीं आये नंदिता ने शिकायत दर्ज कराने कॉल सेंटर का नंबर सर्च किया और अपनी शिकायत दर्ज करायी तभी अज्ञात व्यक्ति ने नंदिता से वाटसअप कॉल कर सम्पर्क किया और खुद को रेल्वे का कर्मचारी बताकर उसके खातों की जानकारी लेकर दो खातों से अलग-अलग खातों से ४ लाख *२ हजार रूपए निकाल लिये।

व्हीकल फैक्ट्री से 22 हजार की केबिल चोरी

जबलपुर। रांझी थानान्तर्गत कुछ दिनों पूर्व व्हीकल फैक्ट्री में घुसे अज्ञात चोर ने वीएफजे 132 सब स्टेशन की बाउंड्री बाल के अंदर रखी तांबे की 19 बोर कंट्रोल केबल वायर चोरी कर ली। उक्त वायर की कीमत 22 हजार रूपए बतायी गई है। फैक्ट्री परिसर में रखे सीसीटीवी कैमरों की फूटेज के आधार पर चोरी का खुलासा होने पर व्हीकल फैक्ट्री के टेस्टिंग सुपरबाईजर मदन सिंह लडिया ने घटना की शिकायत दर्ज करायी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

प्रदेश सरकार के बजट पर मिली जुली प्रतिक्रियाएं

भाजपा की नजर में विकास का बजट तो कांग्रेस ने बताया जुमले का पुलिंदा

हरिभूमि जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार का बजट 2026-27 आ चुका है. मध्य प्रदेश विधानसभा में मोहन यादव सरकार की ओर से बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया गया। सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने लगातार मोहन कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है। सरकार की ओर से कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। टैक्स की सभी प्रक्रिया को पहले जैसा ही रखा गया है। फिलहाल यही इस बजट की सबसे बड़ी राहत दिखाई दे रही है. बजट आने के बाद से बजट पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरु हो गया. जहां एक तरफ भाजपा ने इसे एतिहासिक बताया तो कांग्रेस की नजर में यह बजट सिर्फ कागजी जुमले बाजी का पुलिंदा है. वहीं व्यापारिक संगठनों की प्रतिक्रिया मिली जुली रही।

लोक कल्याण के लिये सरकार संकल्पित : सिंह

पश्चिम विधानसभा से विधायक एवं प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना के साथ मध्य प्रदेश के कोने कोने को जोड़ने का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने कहा बजट में हर वर्ग के लिये प्रावधान और हर वर्ग के लिये राहत रखी गई है। यह एक ऐतिहासिक बजट है. मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य में सड़कों का जाल बिछाकर आमजन के जीवन में समृध्दि लाने और उनकी यात्राओं सुगम सुरक्षित करने के लिये हम सभी संकल्पित है।

समग्र विकास और जनकल्याण का दृष्टिपत्र : रत्नेश सोनकर

भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रस्तुत प्रदेश बजट समग्र विकास और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का दृष्टिपत्र है। श्री सोनकर ने बताया कि पूंजीगत व्यय बढ़ाकर मध्यप्रदेश सरकार ने सर्वांगीण विकास और जनकल्याण को नई ऊँचाई देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रदेश विकास और सर्वहारा कल्याण के लिए समर्पित है बजटः ऊर्जा मंत्री

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। ऊर्जा विभाग के लिए 33,606 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना, आरडीएसएस योजना, ट्रांसमिशन-सिस्टम सुदृढ़ीकरण और अनुसूचित जाति/जनजाति पंपों के लिए सब्सिडी शामिल है, जिससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण सेवा मिलेगी।

पूरे मध्य प्रदेश की उपेक्षा : घनघोरिया

जबलपुर पूर्व से कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा ये बजट नौजवान, किसान, मजदूर, छात्र, दलित, पिछड़े, आदिवासी अल्पसंख्यक व पूरे मध्य प्रदेश की उपेक्षा वाला बजट है. उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने बजट प्रस्तुत करने की सिर्फ खाना पूर्ति की है. विकास, औद्योगिकीकरण, प्रदेश पर बढ़ता कर्ज और शिक्षा के लिये नाम मात्र के भी प्रावधान बजट में नहीं किये गये हैं।

समग्र विकास वाला बजटः अभिलाष पांडे

प्रदेश का बजट मध्य प्रदेश के जन नायक मुख्यमंत्री का विजन है. जिस तरह से विकास के माडल पर भारतीय जनता पार्टी काम कर रही है, समग्र विकास इस बजट के अंदर है. इसमें गरीब, युवा अन्नदाता नारीशक्ति के उत्थान की बात की है। कृषि अनुंसधान के साथ साथ रोजगार के बड़े प्रबंध है. यह बजट गरीब किसान युवा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

प्रदेश का सर्वहितकारी बजट : सांसद

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मध्यप्रदेश सरकार के बजट को हर क्षेत्र में सौगात देने वाला और मध्यप्रदेश को विकास की राह पर द्रुत गति से बढ़ाने वाला बजट निरूपित किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश का संकल्प इस बजट के माध्यम से और सशक्त होगा।

सर्वहारा विकास का बजट : अशोक रोहाणी

केंट के भाजपा विधायक अशोक रोहाणी ने कहा है कि मप्र के मोहन सरकार द्वारा अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। युवा, गरीब, किसान, और महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए है।

जनविश्वास का बजटः साहू

पूर्व महापौर प्रभात साहू ने कहा कि यह बजट विकास और जनकल्याण का संतुलित एवं दूरदर्शी दस्तावेज है, जिससे जबलपुर सहित समूचे महाकौशल क्षेत्र को नई ऊर्जा और गति प्राप्त होगी। अधोसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास, सड़क एवं पेयजल योजनाओं के लिए बढ़ाए गए प्रावधान शहर के नियोजित विस्तार और मूलभूत सुविधाओं की मजबूती सुनिश्चित करेंगे, वहीं औद्योगिक निवेश और रोजगारोन्मुख पहलों से स्थानीय युवाओं के लिए व्यापक अवसर सृजित होंगे।

किसानों के हक में 3 प्रतिशत हिस्सा आया : अग्रवाल

भारत कृषक समाज के अध्यक्ष इंजी के के अग्रवाल, अध्यक्ष ने कहा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 26 - 27 के घोषित बजट में कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्र के लिए आबंटन में विगत वर्ष की तुलना में 2.8 गुने की बृद्धि तथा प्रदेश के एक लाख किसानों को सोलर पम्प देने की योजना, आदि किसानों के लिए सरकार द्वारा इस वर्ष घोषित कृषक कल्याण वर्ष में बेहद महत्वपूर्ण है। आवश्यकता है इसके भ्रस्टाचार रहित सदुपयोग व योजनाओ को गंभीरता से मैंदान में उतारने की। उम्मीद है विभागो द्वारा हमेशा जो बजट की कमी का जो रोना रोया जाता है, उसमें कमी आएगी।

बजट सामान्य : जबलपुर चेम्बर

जबलपुर चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे ने कहा कि पिछले बजट में प्रस्तावित इन्वेस्टमेंट मीट के तहत 26 लाख करोड़ रुपए का निवेष और 17 लाख युवाओं को रोजगार आज तक नदारद है। चेम्बर चेयरमेन कमल ग्रोवर ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में प्रस्तावित फंड षहर को और होटल इंडस्ट्री को फायदा पहुंचायेगा। श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि षिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति के प्रावधान किए गए लेकिन शिक्षकों की नियुक्ति का कोई रोड मेप नहीं होना मात्र घोषणा ही है।

बजट ज्ञयानी थीम पर आधारित : कैट

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), जबलपुर के संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी ने कहा मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते हुए इसे समावेशी विकास, आर्थिक सशक्तिकरण एवं व्यापार-अनुकूल वातावरण को प्रोत्साहित करने वाला बजट बताया है। ज्ञयानी थीम—गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, नारी शक्ति तथा इंफ्रास्ट्रक्चर एवं इंडस्ट्री—पर आधारित यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने वाला है।

नीली क्रांति को बढ़ावा देगा बजटः सिंन्हा

बांध विस्थापित संघ के राज कुमार सिन्हा बरगी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि नीली क्रांति को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में 412 करोड़ रुपए के निवेश का प्रावधान किया है। यह राशि मत्स्य पालन गतिविधियों (जैसे तालाब, तालाब उन्नयन, उत्पादन समर्थन, उपकरण सहायता) के लिए उपयोगी होगी। इससे मत्स्य पालकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

अतिक्रमण मुक्त जबलपुर हेतु अभियान जारी

जबलपुर। नगर प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपर आयुक्त श्री अरविंद शाह के मार्गदर्शन में और अतिक्रमण प्रभारी श्री मनीष कुमार तड़से के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यवाही के दौरान बहोराबाग़ मेन रोड से रजा चौक तक, सर सूपाताल तालाब के चारों ओर, रामपुर चौक, पानी की टंकी के पास तथा छोटी लाइन फाटक से दशमेश द्वार तक अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही अनधिकृत अतिक्रमण न करने की चेतावनी भी दी गई।

माननीय आयुक्त के निर्देशानुसार रात्रिकालीन अभियान भी जारी रखा गया, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रहे और नागरिकों को सुविधा मिले। मौके पर सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, श्रीमती एकता रघुवंशी, सहायक परिवहन एवं यातायात प्रबंधन अधिकारी दीपेंद्र सिंह रावत, तथा दल प्रभारी लक्षण कोरी, नदीम खान, जोसफ प्रवीण, अंकित पारस, वीरेंद्र मिश्रा, कुलदीप त्रिपाठी, दुर्गा राव, अभिषेक समुद्रे, ब्रज किशोर तिवारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्रवाई के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखी गई और अतिक्रमणकारियों को भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

पुलिसकर्मी से पूर्व महापौर प्रभात साहू की कथित झड़प के मामले की एसटीएफ ने जांच शुरू की

जबलपुर। बल्देवबाग चौराहे पर हेलमेट चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी से पूर्व महापौर प्रभात साहू की हुई कथित झड़प के मामले की एसटीएफ ने जांच शुरू कर दी है। एसटीएफ की ओर से डीएसपी संतोष कुमार तिवारी ने यह जानकारी कोर्ट में पेश की। उन्होंने जांच पूरी करने कुछ मोहलत मांगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। मामले पर अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। गौरतलब है कि जबलपुर के अधिवक्ता मोहित वर्मा ने याचिका दायर कर कहा है कि 18 सितंबर 2025 को बल्देवबाग चौराहे पर पुलिस हेलमेट चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना हेलमेट लगाए वहां से पूर्व महापौर प्रभात साहू निकले जिन्हें पुलिस वालों ने रोका। इसी बात पर पूर्व महापौर की पुलिस वालों से झड़प हुई। इस दौरान एक भाजपा विधायक भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे, जिससे वहां काफी हंगामा भी मचा था। याचिका में आरोप है कि चेकिंग करने वाले आरक्षक कृष्ण कुमार की न सिर्फ पिटाई हुई, बल्कि उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। विवाद के तूल पकड़ने के बाद भी पूर्व महापौर के खिलाफ कोई कार्रवाई न होने पर यह याचिका दायर की गई। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी थी।

एसटीएफ डीएसपी संतोष कुमार तिवारी ने हाईकोर्ट में दी जानकारी

बकायादारों के विरुद्ध जेडीए सीईओ की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के सीईओ दीपक वैद्य ने बकायादार आवंटितियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए तीन भूखण्डों के आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं तथा जमा अमानत राशि राजसात कर ली गई है।संपदाधिकारी रीति सोनवे ने बताया कि समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि प्राधिकरण की योजना क्रमांक-11 द्वितीय चरण के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक 56 प्रतिपाल सिंह सौधी को, योजना क्रमांक-5/14 के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक जे-13 राजेश गोस्वामी को तथा योजना क्रमांक-5/14 के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक जे-14 जय राजावत (डायरेक्टर जय रियल स्टेट) को उच्चतम ऑफरकर्ता होने के कारण आवंटित किए गए थे। हालांकि, अनेक नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संबंधित आवंटितियों द्वारा निर्धारित राशि प्राधिकरण कोष में जमा नहीं कराई गई। इसके चलते सीईओ के निर्देश पर तीनों भूखण्डों का आवंटन निरस्त कर अमानत राशि राजसात कर ली गई।

सीईओ दीपक वैद्य ने बताया कि कुछ मामलों में देखा गया है कि भूखण्ड आवंटित कराने के बाद समय पर राशि जमा नहीं की जाती और इस बीच अधिक दाम पर अन्य व्यक्तियों से सौदा कर लिया जाता है, जिससे वास्तविक हितग्राहियों को नुकसान होता है। जेडीए ने स्पष्ट किया है कि निरस्त किए गए भूखण्डों को पुनः ऑफर के माध्यम से विक्रय किया जाएगा। साथ ही आवंटितियों से अपील की गई है कि वे क्रय की गई संपत्ति की राशि समय पर जमा करें, अन्यथा भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रसूख के आगे नियम कायदे कानून सब दरकिनार

कृषि भूमि पर कैसे तन गया उत्तम स्वामी आश्रम

जबलपुर। हाईप्रोफाईल कथा वाचक उत्तम स्वामी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के हीरापुर बंधागांव में उत्तम स्वामी का आलीशान आश्रम भी अब विवादों के घेरे में आ गया है. रेप के आरोपों से घिरे उत्तम स्वामी की जबलपुर में चल रही भागवत कथा के दौरान उस वक्त हड़कंप की स्थित बनी थी जब स्वामी जी अचानक गायब हो गये थे और शिष्यों को मोर्चा संभालना पड़ा था. अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है, सरकारी रिकार्ड के अनुसार जिस जमीन पर उत्तम स्वामी का आलीशान तना है वह जमीन कृषि भूमि है और उड़द का खेत है. इस पूरे मामले में राजस्व अमले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं. अचानक 2025 में यह भूमी उत्तम स्वामी के नाम पर कैसे हो गई. राजस्व नियमों के अनुसार कृषि भूमी पर स्थाई निर्माण के पहले विधिवत डायवर्शन कराना जरूरी है. यदि यह प्रक्रिया पूरी नहीं है तो निर्माण अधूरा माना जाता है. ऐसे में एक सवाल यह भी है कि क्या संबंधित विभागों को आश्रम निर्माण की जानकारी नहीं थी या जानकारी होते हुये भी आंखें बंद रखीं गईं।

खसरे ने खोलीं परतें

दरअसल गत मंगलवार 17 फरवरी को लोक सेवा केंद्र से जारी सत्यापित खसरा रिपोर्ट ने इस अवैध निर्माण की पोल खोल कर रख दी । सरकारी खसरे में अभी भी यह जमीन उड़द के खेत के रूप में कृषी भूमि दर्ज है। मामला सामने आने के बाद अब देखने वाली बात यह होगी कि जिला प्रशासन इसमें क्या एक्शन लेता है. कथा वाचक उत्तम स्वामी के कई प्रभावशाली नेताओं से नजदीकी संबंध पहले ही सामने आ चुके हैं. अब इस हाईप्रोफाईल मामले में जांच किस तरह होती है, यह भी आगे सामने आएगा। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि खसरा नंबर 46/1 के कॉलम नंबर 10 में आज भी इस जमीन पर 'जायद' फसल के रूप में 'उड़द' की खेती होना दर्शाया गया है। जबकि जमीनी हकीकत यह है कि यहाँ लगभग 1 एकड़ (67 हजार वर्गफीट) से अधिक के रकबे में आश्रम का विस्तार हो चुका है। दस्तावेजों के अनुसार, यह भूमि 21 अगस्त 2025 को संत शांतिनाथ द्वारा 'मां नर्मदा श्री उत्तम शांतिनाथ' के नाम हस्तांतरित की गई थी। क्षेत्रीय लोगों की मानें तो पिछले एक साल में यहां कथा वाचक का साम्रज्य खड़ा हो गया. चर्चा तो यह भी है की ग्राम पंचायत, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और राजस्व विभाग कहीं से कोई निर्माण अनुमति नहीं ली गई।

दो स्वामियों के बीच बंटी जमीन

प्रारंभिकजांच में यह भी बात सामने आई है कि इस विशाल भूखंड का मालिकाना हक दो स्वामियों के बीच बंटा हुआ है। एक हिस्सा उत्तम स्वामी के नाम है, तो उससे सटा हुआ दूसरा हिस्सा मंगलनाथ स्वामी के नाम दर्ज है। ये दोनों ही संत शांतिनाथ के शिष्य बताए जाते हैं। हाल ही में 19 से 15 फरवरी के बीच जिस भव्य भागवत कथा का आयोजन किया गया था, उसका विशाल पंडाल मंगलनाथ के हिस्से वाली भूमि पर लगाया गया था।

अब चल सकता है बुलडोजर

उत्तम स्वामी के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अबतक तहसीलदार आरआई पटवारी किसी ने भी आश्रम निर्माण के दस्तावेज पूछने की हिम्मत नहीं जुटाई. जबकी रेप के आरोपों के बीच भूमी नियमों की अनदेखी का भी उजागर हो चुका है, तब यह संभावना बन रही है की प्रशासन अपनी साख बचाने आश्रम के अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चला सकता है।

ट्रेनों में वारदातः दशहत में मुसाफिर, आरोपी फरार

अब चलती ट्रेन में किन्नर ने यात्री को ब्लेड मारी

जबलपुर। हाल ही में जबलपुर के भिटौनी रेल्वे स्टेशन के समीप चलती ट्रेन में अवैध वेंडर द्वारा यात्री पर चाकू से हमले की घटना के बाद अब सोमवार को मुंबई-हावड़ा मेल (12322 डाउन) में एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। ट्रेन के जनरल कोच में एक किन्नर ने यात्री पर ब्लेड से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। लगातार हुई इन घटनाओं से ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खडे हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को हावड़ा मेल जब इटारसी से पिपरिया के बीच पहुंची कि इसी बीच ट्रेन के जनरल कोच में किसी बात को लेकर एक किन्नर और यात्री के बीच विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद बढते किन्नर ने अपने पास रखी ब्लेड से यात्री पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी किन्नर पिपरिया स्टेशन आते ही ट्रेन से उतरकर भाग निकला। घायल यात्री ने ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुँचने पर अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद उसे तत्काल उसे चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई तथा प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश आरंभ कर दी गई है। लगातार हो रही इन घटनाओं से रेल यात्रियों में दहशत का माहौल है। यात्रियों का कहना है कि चलती ट्रेनों में अवैध वेंडरों और किन्नरों द्वारा किए जा रहे हमलों के कारण अब सफर करना असुरक्षित होता जा रहा है।रविवार को हुई चाकूबाजी और सोमवार को किन्नर द्वारा किए गए इस हमले ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। फिलहाल, जीआरपी ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों घटनाओं के आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हर घर नल से पानी पहुंचाने पर जोर

जल जीवन मिशन की समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विकासखंडवार एकल ग्राम नल-जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने और प्रत्येक घर में चालू स्थिति में नल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डेमेज कनेक्शन और लीकेज को शीघ्र दुरुस्त कराने को कहा गया। समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई और पाइपलाइन बिछाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी और वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पाइपलाइन कार्य के बाद

सड़कों की पूर्ववत मरम्मत भी कराई जाए। जल निगम एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप हर घर तक नल से पानी पहुंचाने के लिए गति बढ़ाने को कहा।

पीएमश्री विद्यालयों के प्रबंधन की समीक्षा

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में पीएमश्री विद्यालयों के प्रबंधन एवं क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी एवं संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में विद्यालयों के क्रमबद्ध क्रियान्वयन और आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने टिंकरिंग लैब, विद्यालयीन स्टाफ व विद्यार्थियों की आईडी, रचनात्मक शिक्षण गतिविधियां, गणित-विज्ञान सर्कल, शिक्षक शिक्षण सामग्री, खेल गतिविधियां, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यवसायिक प्रयोगशालाएं, हरित विद्यालय अवधारणा, अभिलेख संधारण, परीक्षा व्यवस्था, विज्ञान प्रयोगशाला,

पुस्तकालय, साफ-सफाई, बिजली एवं फायर सेफ्टी, पेयजल और टंकियों की सफाई जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय परिसर के आसपास मादक पदार्थों से संबंधित दुकानें न हों, फर्नीचर व किचन व्यवस्था सुदृढ़ हो, खेल मैदान उपलब्ध रहें तथा विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए।

ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण, सड़क सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने संबंधित अधिकारियों के साथ जिले में चिन्हित सड़क दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) का निरीक्षण कर सुरक्षा उपायों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने पनागर के पास कुशनेर तिराहा और बम्हनौदा बाईपास का स्थल निरीक्षण किया तथा एनएचएआई के अधिकारी श्री अमृत साहू को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक बोर्ड, ब्लिंकर्स, रिफ्लेक्टर्स और प्री-फेब्रिकेटेड डिवाइडर लगाए जाएं। साथ ही डिवाइडर की रंगाई-पुताई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा जहां आवश्यकता हो वहां सर्विस रोड निर्माण भी सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम अभिषेक सिंह सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए संबंधित एजेंसियों को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा है।

संकल्प से समाधान अभियान शिविर आयोजित

बरेला। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत द्वितीय चरण में दिनाँक 18 फरवरी 2026 को वार्ड क्रमांक 1,2 एवं वार्ड 3 के नागरिकों हेतु सोसाइटी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त किये गए। काफी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। शिविर में नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतीक दुबे,सीएमओ संजय पांडे,पार्षद दिनेश सिंह पटेल, मण्डल अध्यक्ष अर्पित जैन,परिषद के कर्मचारी,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सेंट्रल ग्रिड से मप्र के हिस्से की बिजली मिलना एवं सौर ऊर्जा निकासी सुलभ

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने मंदसौर 400 केवी सबस्टेशन में 400/220 के वी वोल्टेज लेवल के 500 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर को स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कर दिया है। यह उपलब्धि प्रदेश मे बिजली आपूर्ति को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि यह प्रोजेक्ट एमपी ट्रांसको की कार्यकुशलता और उपभोक्ता हित में प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल क्षेत्र की ऊर्जा मांगों को भरोसेमंद समर्थन मिलेगा बल्कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश की बिजली व्यवस्था और अधिक मजबूत व विश्वसनीय बनेगी। सेंट्रल ग्रिड से मध्यप्रदेश के हिस्से का

पावर और सौर ऊर्जा उत्पादन में तेजी के साथ चंबल पंपिंग परियोजनाओं की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अधिक क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता थी। नया 500 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर इन सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा मे एक कदम है।

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री राजीव अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस परियोजना के पूरा होने से विभिन्न 220 केवी सबस्टेशनों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उच्च क्षमता वाला यह पावर ट्रांसफार्मर सोलर पावर की बड़े पैमाने पर निकासी को और सुलभ बनाएगा।साथ ही सिंचाई परियोजना के पंपिंग सब.स्टेशनों को भी इससे बिजली उपलब्ध होगी। पावरग्रिड के नीमच सबस्टेशन से अब मध्य प्रदेश को उसके हिस्से की पूरी बिजली नियमित रूप से मिलने के अलावा क्षेत्र में पावर ग्रिड द्वारा निर्माणाधीन 765 केवी सबस्टेशन से भविष्य में प्रदेश को अपने हिस्से की बिजली और अधिक सहजता से उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

घरों के अंदर भर रहा भदोहा तालाब का बदूबूदार व जहरीला पानी

सिहोरा। सिहोरा के वार्ड क्रमांक 6 अद्दू मोहल्ला के निवासियों द्वारा मुख्यनगर पालिका अधिकारी सिहोरा को शिकायत पत्र सौपकर मांग की गई है कि भदोहा तालाबा का गंदा बदबूदार जहरीला पानी घरों के अंदर जा रहा है जिससे मोहल्ले के निवासियों का घर ग्रहस्थी का समान खराब हो रहा है जिससे लोगों को आर्थिक रुप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही पानी में बदबू होने से रहना तक दूभर हो रहा है और क्षेत्र में महामारी फैलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। वार्डवासियों द्वारा पहले भी लिखित शिकायत की थी लेकिन नगर पालिका द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। पूर्व में भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी ओम कालोनी के बाजू से निकलता था जिस पर लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर मनमाने तरीखे से मकान बना लिया गये है जिस कारण भदोहा तालाब का ओवरफ्लो का पानी घरों में घुस रहा है नगर पालिका द्वारा वायपास में नाले का निर्माण भी कराया गया लेकिन है आधा अधूरा है पीड़ित लोगों में बाबू सिंह खंगार, सुरेन्द्र सिंह ठाकुर, मनीष पटैल, मोहित जैन,मुकेश जैन, सरजीत यादव, बेला तिवारी, प्रमोद सिंह ठाकुर, आशीष सिंह ठाकुर ने अतिशीघ्र जांच कर समस्यीा का निदान करने की मांग की गई है।

भव्य रूप में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव भक्तिमय माहौल में झूमे श्रद्धालु

भागवत कथा श्रवण से होती है मोक्ष की प्राप्ति : पंडित हरिओम देव महाराज

मझौली। ग्राम पंचायत हटौली में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कथा स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की सजावट और आकर्षक झांकियों से सुसज्जित किया गया था। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। कथावाचक पंडित हरिओम देव जी महाराज, वृन्दावन धाम ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार मथुरा की कारागार में अवतार लेकर भगवान ने अत्याचार के अंत का संकल्प लिया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। जन्मोत्सव के अवसर पर शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और भजन-कीर्तन के साथ भव्य आरती संपन्न हुई। बाल गोपाल का मनमोहक श्रृंगार कर झूला झुलाया गया। श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भक्ति रस में झूमते नजर आए। इस अवसर पर बच्चों ने राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए तथा युवाओं ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। आयोजन समिति द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा का शुभारंभ 18 फरवरी से हुआ है, जिसका समापन 22 फरवरी को होगा। आगामी दिनों में हवन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को गोवर्धन पूजा प्रसंग का वर्णन किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव ने क्षेत्रवासियों के हृदय में नई ऊर्जा और श्रद्धा का संचार किया।

विभिन्न समस्याओं का निदान करने जन समस्या निवारण मंच ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत खितौला में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु जन समस्या निवारण मंच के संयोजक लाल बहादुर पाठक ने कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें खितौला बाजार के वार्ड क्रमांक 13 में नाले का निर्माण कर पानी निकासी की व्यवस्था करने, पुलिस चौकी की स्थापना करने,उपनगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर के साथ जांच के लिए उपकरण लगाने,अवैध शराब की ब्रिक्री पर रोक लगाने, नृसिंह मंदिर खितौला से बीपी पेट्रोल पंप घाट सिमरिया तक बायपास बनाने,बारी बहु स्टेडियम में बैठक व्यवस्था बनाने,नवनिर्मित ओवर ब्रिज में लाइट की व्यवस्था करने,खितौला बाजार एंव बस्ती को नगरीय फीडर से जोड़ने सहित अनेक मांग शामिल थी। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिहारी पटेल,बाबा कुरैशी,भूपलाल सोनी, राजेश चौबे पार्षद,रमेश पटेल,कृष्ण कुमार कुररिया, जितेन्द्र तिवारी,मोहन सोधिया,पवन सोनी,शेख साबिर,यूसुफ़ खान,उमाकांत चौरसिया,के के दुबे,कोमल श्रीवास,राजा पटेल, राजकुमार काछी, अशोक शुक्ला सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंचवटी में सड़क पर लगे बोर्ड से यातायात बाधित

मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के बोर्ड से दुर्घटना की आशंका, नोटिस के बाद

भेड़ाघाट। पंचवटी क्षेत्र में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम द्वारा मार्बल कैफे का बोर्ड सड़क पर गाड़े जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार बोर्ड फुटपाथ के बाद सीधे सड़क पर स्थापित किया गया है, जिससे वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यह क्षेत्र नौका विहार के लिए भी प्रसिद्ध है, जिसके कारण पर्यटकों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। मेट्रो बस एवं अन्य बड़े वाहनों के टर्न लेने के दौरान जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर लगे बोर्ड के कारण हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा पर्यटन विभाग को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बोर्ड नहीं हटाए गए हैं। नागरिकों का आरोप है कि केवल नोटिस देकर खानापूर्ति की जा रही है और अतिक्रमण हटाने की दिशा में

ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। उल्लेखनीय है कि नगर निगम जबलपुर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है, वहीं भेड़ाघाट में सड़क पर गड़े बोर्ड को हटाने में उदासीनता देखी जा रही है। पर्यटकों को हो रही असुविधा तथा क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्थाओं को लेकर नागरिकों ने नगरीय प्रशासन विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि यातायात सुचारु हो सके और भेड़ाघाट क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित हो।

श्री शैलेंद्र कुमार गुप्ता- गोकलपुर निवासी शुभि व परी के पिता श्री शैलेंद्र कुमार गुप्ता का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज सुबह 10 बजे गोकलपुर मुक्तिधाम की ओर प्रस्थान करेगी।

श्रीमती पुष्पा द्विवेदी- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्री पीडी द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा द्विवेदी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमवती सिंह राणा- कोल माइंस ऑफिस रोड गुप्तेश्वर निवासी श्री राजेंद्र सिंह राणा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमवती सिंह राणा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमर बहादुर- बिहारी मोहल्ला मड़ई व्हीकल निवासी श्री अमर बहादुर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्णकांत विश्वकर्मा- नौदरा ब्रिज के पास ओमती निवासी श्री कृष्णकांत विश्वकर्मा (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शशि गुप्ता- गोरैया प्लाट

रानीपुर मदनमहल निवासी श्री दिनेश गु प्ता की धर्मपत्नी श्रीमती शशि गुप्ता (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शैलेंद्र कुमार सोनी- हनुमानताल जैन मंदिर के पास निवासी श्री शैलेंद्र कुमार सोनी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विवेक मिश्रा- अधरा हिल्स टेमरभीटा रोड निवासी श्री उग्रसेन मिश्रा के पुत्र श्री विवेक मिश्रा (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल कोरी- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री प्रेम लाल कोरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गौरा बाई चतुर्वेदी- 5/22 जेल लाइन निवासी श्री प्रसिद्ध नारायण चतुर्वेदी की धर्मपत्नी श्रीमती गौरा बाई चतुर्वेदी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ननकू लाल ताम्रकार- तम्हेरा मोहल्ला पश्चिमी घमापुर निवासी श्री ननकू लाल ताम्रकार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरोज श्रीवास्तव- एकता विहार रतन नगर मदनमहल निवासी श्री मदन कुमार श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज श्रीवास्तव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दशरथ प्रसाद चौधरी- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री दशरथ प्रसाद चौधरी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राम बाई समन- बेलबाग पुत्री शाला के पास निवासी श्रीमती राम बाई समन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति वर्ग से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-

चिंतन

छद्म दिखावे में फंसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी इन दिनों ऐसे विवाद के केंद्र में है, जिसने केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की उभरती तकनीकी छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुए एआई एक्सपो में प्रदर्शित रोबोटिक डॉग और सॉकर ड्रोन को लेकर उठे सवालों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या हम नवाचार के नाम पर 'छद्म दिखावे' की राह पर तो नहीं बढ़ रहे? मामला तब गरमा गया, जब एक वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह ने रोबोटिक डॉग 'ओरियन' को विश्वविद्यालय के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में विकसित बताया। साथ ही यह भी दावा किया कि एआई क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, लेकिन टेक विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह रोबोट असल में चीनी कंपनी का है, जो बाजार में 2 से 3 लाख रुपये में उपलब्ध है। विवाद यहीं नहीं थमा। सॉकर ड्रोन को भी विश्वविद्यालय द्वारा 'इन-हाउस' विकसित बताने का दावा किया गया, जबकि जानकारों का कहना है कि वह दक्षिण कोरिया की किसी कंपनी का उत्पाद है। भारत आज एआई, रोबोटिक्स और डीप टेक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की किरकिरी हुई है। चीनी मीडिया ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया है। हालांकि सरकार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए एक्सपो वेन्यू खाली कराने के आदेश देकर त्वरित कार्रवाई की। यह कदम इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की साख को लेकर संवेदनशीलता बरती जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त है? या हमें उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक सख्त संस्कृति विकसित करनी होगी? यदि किसी विदेशी उत्पाद को 'अपना विकसित' बताकर प्रस्तुत किया गया है तो यह केवल नैतिक चूक नहीं, बल्कि अकादमिक ईमानदारी पर भी सवाल है। नवाचार की दुनिया में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है। एक बार भरोसा टूटे तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता। सबसे बड़ी चिंता उन छात्रों की है जो इस संस्थान में पढ़ रहे हैं। वे इस विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन असर उनके भविष्य पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और रिसर्च संस्थान जब किसी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करते हैं, तो उसकी विश्वसनीयता को भी परखते हैं। यदि किसी संस्थान की छवि संदिग्ध बनती है, तो प्लेसमेंट और सहयोग के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यदि गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना ही संस्थान की विश्वसनीयता बहाल करने का पहला रास्ता होगा। दूसरा, विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे 'डेवलपमेंट', 'इंटीग्रेशन' और 'डेमो' जैसे शब्दों का उपयोग किस संदर्भ में कर रहे हैं। किसी उत्पाद का कस्टमाइजेशन या रिसर्च-आधारित उपयोग और उसे पूरी तरह विकसित करने में जमीन-आसमान का अंतर है। नियामक संस्थाओं को भी तकनीकी प्रदर्शनों और दावों की सत्यता की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। इससे भविष्य में ऐसे विवादों की संभावना कम होगी। गलगोटिया विवाद केवल एक विश्वविद्यालय की कहानी नहीं है। यह उस दबाव की भी कहानी है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करने की जल्दबाजी में कभी-कभी सीमाएं लांघ जाते हैं। छद्म दिखावे से क्षणिक सुर्खियां मिल सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदार नवाचार से ही मिलता है।

सत्ता परिवर्तन से सुधरेंगे संबंध?

भारत-बांग्लादेश
राज कुमार सिंह

अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं।

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बांग्लादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को भारत यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई।

बेशक जेन जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आकर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बांग्लादेश संबंध सुधरेंगे ? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजेंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन जी की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बांग्लादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं।

तारिक मंत्रिमंडल में एक-एक हिंदू और बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बांग्लादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देते रहे। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिये तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की आवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन

चुनावों को मानने को भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी।

लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाये रखना अनुकूल साबित होगा। कभी बीएनपी की राजनीतिक दोस्त रही कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त जमात-ए-इस्लामी इस बार मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट की अगुआ बनी एनसीपी को मतदाताओं ने तो चुनाव में नकार दिया, पर नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही उसने 'जुलाई चार्टर' के मुद्दे पर संघर्ष का ऐलान कर दिया है। दरअसल 12 फरवरी को संसद के चुनाव के साथ ही जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी हुआ था। आंकड़े बताते हैं कि 62 प्रतिशत लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नवनिर्वाचित संसद को 180 दिन तक संविधान सभा के रूप में काम करना चाहिए, जिस दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में संशोधन किए जाने हैं, लेकिन बीएनपी के सांसदों ने यह कह कर संविधान सभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है।

वे सिर्फ संसद के लिए चुने गए हैं, न कि किसी संविधान परिषद के लिए। जुलाई चार्टर के मुताबिक, कोई भी नेता अधिकतम दस साल या दो कार्यकाल के लिए ही प्रधानमंत्री रह पाएगा। प्रधानमंत्री अपने दल का अध्यक्ष नहीं रह सकेगा। साथ ही कई स्वतंत्र संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगी। इतना ही नहीं, आपातकाल लगाने का फैसला भी केबिनेट और विपक्ष के नेता की लिखित सहमति से ही हो पाएगा। संसद का उच्च सदन भी बनेगा, जो प्रधानमंत्री चुनने वाले निचले सदन के फैसलों को नियंत्रित कर सकेगा। दरअसल सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के मकसद से जुलाई चार्टर में 80 से भी अधिक सुधार-प्रस्ताव हैं, जिनमें से लगभग आधे संविधान संबंधी हैं।

बीएनपी ने भी जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उसके कई नेताओं का तर्क है कि न तो चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह ली गई थी और न ही संविधान में ऐसी किसी परिषद का प्रावधान है, जो उस पर अमल कर सकें। जाहिर है, आने वाले दिनों में जुलाई चार्टर पर बांग्लादेश में राजनीतिक टकराव बढ़ेगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे।

ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी 'भारत विरोध' तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने का सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक है, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार

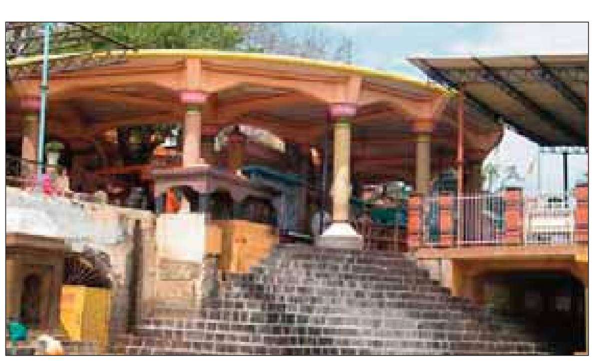

नृसिंहवाड़ी कोल्हापुर जिले का एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। यह दत्ता भक्तों की राजधानी होने के लिए जाना जाता है। कृष्णा और पंचगंगा नदियों के पवित्र संगम पर स्थित, महाराष्ट्रीयन इतिहास के प्रसंगों में इसका व्यापक महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण बीजापुर जिले के एक मुस्लिम राजा आदिल शाह ने करवाया था। मंदिर की अपनी स्थापत्य विशेषता है।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल!

संकलित
दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

संकलित
प्रेरणा

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

मराठा अस्मिता के रक्षक थे महायोद्धा छत्रपति शिवाजी

छत्रपति शिवाजी महाराज मराठा संस्कृति के प्रखर संरक्षक थे। शिवाजी महाराज भारतीय संस्कृति और धर्म के शाश्वत मूल्यों के ध्वजवाहक रहे। इनका जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके पिता शाह जी भोंसले तथा माता जीजाबाई थी। इनका मूल नाम शिवाजी भोसले था, लेकिन उनके सुशासन और नेतृत्व कुशलता के कारण इनको छत्रपति अर्थात क्षत्रियों का प्रमुख की उपाधि दी गई। शिवाजी के फौलादी चरित्र के निर्माण में माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान था। जीजाबाई ने बालक शिवाजी के मानस पटल पर भारत देश की महान धार्मिक संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत संस्कारों को पल्लवित किया था ,जिसके परिणाम स्वरूप युवावस्था में ही शिवाजी महाराज ने मुगलों के आततायी शासन से टकराने का संकल्प लिया। मराठा संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के अपने विराट संकल्प का प्रारंभ इन्होंने 1645 ईस्वी में तोरण किले पर अधिकार करके किया। शिवाजी का संपूर्ण जीवन महान आदर्शों की गाथा है। मराठा संस्कृति से परिपूर्ण स्वराज की स्थापना के दृढ़ संकल्प के बल पर शिवाजी ने सीमित साधनों के होते हुए विशाल मुगल सेना से टक्कर ली। पराक्रमी वीर योद्धा शिवाजी ने विकट से विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए स्वराज्य की ज्योति जलाई। छत्रपति की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने मराठा साम्राज्य को एक नए युग में पहुंचाया। छत्रपति शिवाजी का संघर्ष एक शासक के रूप में सत्ता पाना नहीं था, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता की अवधारणा को स्थापित करना था। गोरिल्ला युद्ध और छापा मार अभियानों के शिवाजी पूर्ण रूप से पारंगत थे। युद्ध नीतियों के मर्मज्ञ शिवाजी ने गोरिल्ला युद्ध के माध्यम से मुगलों को पराजित किया। छत्रपति की यह विशेषता थी कि वह शत्रु पर अचानक आक्रमण करके उनको चौंका देते थे। शिवाजी और उनके मराठा रणबांकुरे जब युद्ध के मैदान में 'जय भवानी जय शिवाजी' एवं 'हर हर महादेव' के युद्ध जय घोषों से उतरते थे तो उनके पराक्रम और साहस के समक्ष मुगल सेना के हौसले परास्त हो जाते थे। शिवाजी ने 1659 प्रतापगढ़ के युद्ध में औरंगजेब की ओर से बीजापुर के अफजल खान के विरुद्ध ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में शिवाजी ने अपनी बुद्धिमत्ता से अफजल खान को बुरी तरह प्राप्त किया था। 1660 में शिवाजी ने बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत को कोल्हापुर के युद्ध में पराजित किया। 1661 में उबरखिंड के युद्ध में भी शिवाजी ने विजय प्राप्त की। 17वीं सदी के मध्य में शिवाजी ने मुगलों के आक्रमणों के विरुद्ध शारीरिक युद्ध ही नहीं लड़ा, बल्कि उन्होंने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। महान योद्धा होने के साथ-साथ शिवाजी धर्म, राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक थे। शिवाजी ने 1674 में रायगढ़ को अपने राज्य की राजधानी बनाकर स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह दिन केवल जन्मदिन ही नहीं बल्कि छत्रपति के स्वाभिमान, साहस और राष्ट्र प्रेम का भी प्रतीक है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, , ये उनके अपने विचार हैं।)

सटाका

आज की पाती

लोकलुभावन घोषणाओं पर बढ़ता खर्च

सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने देश पर बढ़ते कर्ज और चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बीच के खतरनाक संबंध को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई के लिए तत्परता दिखाई है, क्योंकि यह मुद्दा केवल चुनावी नैतिकता तक सीमित नहीं, बल्कि देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जुड़ा है। पिछले एक दशक में राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है और रिज़र्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि कई राज्य अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और सुरक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए संसाधन सीमित हो रहे हैं।

- अंकित श्रीवास्तव, भाटापारा

करंट अफेयर

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते उपग्रहों से बढ़ा संकट

पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या को लेकर वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत कदम उठाकर स्थिति को संभाला जा सकता है। अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को स्पेस एक्स ने समक्ष अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस प्रस्ताव पर फिलहाल सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं। फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12 .3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यतः तकनीकी पहलुओं, जैसे रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा, तक सीमित है।

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग दिन में 12 घंटे से अधिक समय तक गतिहीन रहते थे, उनमें मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक था (आठ घंटे तक गतिहीन रहने वाले लोगों की तुलना में 38% अधिक जोखिम)। हालाँकि, यह केवल उन लोगों में देखा गया जो प्रतिदिन 22 मिनट से कम मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करते थे। इसलिए जिन लोगों ने 22 मिनट से अधिक व्यायाम किया, उनके लिए अब कोई महत्वपूर्ण जोखिम नहीं था - यानी, जोखिम आम तौर पर उन लोगों के समान हो गया जो आठ घंटे तक गतिहीन थे।

ट्रेंड

द्विपक्षीय साझेदारी

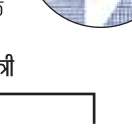

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी, नवाचार, जहाज निर्माण, नीली अर्थव्यवस्था और आईएमईईसी कॉरिडोर के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को गति देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर नमन

अध्यात्म और सत्यनिष्ठ जीवन के माध्यम से विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाले रामकृष्ण परमहंस ने सम्पूर्ण मानव जाति को एक नई दिशा दी। महान संत रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

बिजनेस-फ्रेंडली सिटी

दिल्ली में व्यापार करना पहले से अधिक आसान हुआ है। सिंगल विंडो सिस्टम से तेजी से अनुमतियां मिल रही हैं, लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल हुई है और बिना गारंटी के लोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दिल्ली को बिजनेस-फ्रेंडली सिटी बनाने के लिए सरकार नीतियों में सुधार कर रही है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

दिव्यांग विश्वविद्यालय ठप

भाजपा सरकार के बजट ने प्रदेश के विशेष योग्यजनों को पूरी तरह निराश किया है। हमारी सरकार ने 2 दिव्यांग विश्वविद्यालय दिए, जिन्हें आज ठप कर दिया गया है। इनका काम आगे बढ़ता तो ये प्रदेश के दिव्यांगों के काम आते।

अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

रैम के बाद अब स्टोरेज की किल्लत, और महंगे होंगे फोन, लैपटॉप और टीवी?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस साल फोन, लैपटॉप, टीवी के दाम काफी बढ़ सकते हैं। पहले ऐसा रैम की किल्लत के चलते कहा जा रहा था।

- कंपनी को साल भर के प्रोडक्शन के बराबर ऑर्डर मिल गए

हालांकि अब हार्ड डिस्क ड्राइव बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी वेस्टर्न डिजिटल ने एचडीडी यानी कि स्टोरेज की किल्लत के भी संकेत दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्टर्न डिजिटल को साल भर के प्रोडक्शन के बराबर के ऑर्डर मिल गए हैं। इसका मतलब है कि वे रिटेल के लिए सप्लाई शायद न कर पाए। ऐसे में जो डिवाइसेस स्टोरेज कैपेसिटी के साथ आते हैं जैसे कि फोन, टैबलेट, लैपटॉप या टीवी, वे और भी ज्यादा महंगे हो सकते हैं।

हार्ड व डिस्क ड्राइव की सबसे बड़ी कंपनी वेस्टर्न डिजिटल की चेतावनी

एआई ही बनेगा महंगी स्टोरेज की वजह

हालांकि ऐसा नहीं है कि दुनियाभर में अचानक रैम की किल्लत हो गई हो। ऐसा एआई की वजह से हो रहा है। एआई कंपनियों को अपने मॉडल ताकतवर बनाने के लिए रैम की सख्त जरूरत है। ऐसे में ये कंपनियां रैम बनाने वालों को अच्छी कीमत अदा कर रही हैं। गौर करने वाली बात है कि पिछले 18 महीनों में रैम की मांग तीन गुना हो गई है। अब यही एआई स्टोरेज को भी महंगा करवाने की वजह बनने वाला है।

पहले ही महंगे हुए हैं स्मार्टफोन

एआई बूम की वजह से इंडस्ट्री पहले ही रैम की किल्लत झेल रही है। इसकी वजह से रीयलमी और मोटोरोला जैसी कंपनियों ने अपने फोन 3000 से 4000 रुपए तक महंगे कर दिए हैं। सैमसंग ने भी अपने कुछ स्मार्टफोन के दामों में थोड़ी बढ़ोतरी की है, लेकिन अब लगता है कि कीमतों में भारी इजाफा हो सकता है।

एआई कंपनियों को स्टोरेज की जरूरत : दरअसल एआई कंपनियों को रैम की रफ्तार के साथ-साथ अपने डेटा का बैकअप रखने, बेकार डेटा को संभालने और प्रोसेस लॉग को सेव करने के लिए हार्ड डिस्क या कहें कि स्टोरेज की जरूरत भी होती है। यह दौर डेटा सेंटर का है। हर बड़ी टेक कंपनी डेटा सेंटर बनाने में लगी है। इसके लिए क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स को स्टोरेज की जरूरत होगी।

रैम 60 प्रतिशत हो चुकी है महंगी

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले 6 महीने में स्मार्टफोन और लैपटॉप में इस्तेमाल होने वाली रैम की कीमतों में 60 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। ऐसा करने वालों में सैमसंग भी शामिल है। इसका असल मिड रेंज और बजट स्मार्टफोन्स पर सबसे ज्यादा हुआ है और प्रीमियर रेंज के फ्लैगशिप डिवाइस इससे अछूते रहे हैं। ऐसे में अगर स्टोरेज के भी दाम बढ़ते हैं, तो मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसे अप्लायंस का महंगा होना आम बात है।

खबर संक्षेप

आरबीआई विदेशी मुद्रा लेन देन नियम बनाएगा आसान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने अधिकृत व्यक्तियों को विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने में अधिक लचीलापन प्रदान करने का प्रस्ताव रखा, ताकि वे अपने जोखिमों को कम करने, बही-खाता प्रबंधन और वित्तीय कारोबार रणनीति के लिए विदेशी मुद्रा लेनदेन कर सकें। साथ ही रिपोर्टिंग दायित्वों को भी आसान बना सकें।

रुपया पांच पैसे बढ़कर 90.67 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी कोषों का निवेश बढ़ने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के रुख की वजह से अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे बढ़कर 90.67 (अस्थायी) पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत होते डॉलर ने रुपये में तेज बढ़त को रोक दिया।

भारत का अमेरिका को 5000 टन चावल आपूर्ति का करार

नई दिल्ली। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के एक सदस्य ने अमेरिका में एक खरीदार को 5,000 टन बासमती चावल आपूर्ति करने के लिए समझौता किया है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिये जाने के बाद आया है, अमेरिका भारतीय सामान पर मौजूदा 25 प्रतिशत शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत तक करने पर सहमत हो गया है।

यूनिटेक के सीईओ यादव का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने कंपनी के सीईओ अशोक कुमार यादव का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। पिछले महीने हुई उसके निदेशक मंडल की बैठक में 11 फरवरी, 2026 से या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कुमार के कार्यकाल को एक साल के विस्तार को मंजूरी देने का निर्णय किया था।

'भारत एआई मिशन' के अनुरूप किया गया समझौता

एलएंडटी और एनवीडिया में गीगावाट स्तर की 'एआई फैक्ट्री' के लिए करार

- एलएंडटी इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी है
- उद्देश्य भारत को वैश्विक एआई महाशक्ति बनाना
- गीगावाट स्तर का एआई फैक्ट्री ढांचा तैयार करना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बुधवार को एनवीडिया के साथ एक संयुक्त उद्यम की घोषणा की। इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक एआई महाशक्ति बनाने के लिए गीगावाट स्तर का 'एआई फैक्ट्री' बुनियादी ढांचा तैयार करना है। यह साझेदारी देश के डिजिटल और औद्योगिक बदलाव के बीच उन उद्यमों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों को लक्षित करती है, जो बड़े पैमाने पर एआई क्षमता की तलाश में हैं।

यह उद्यम एलएंडटी की इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचे के विकास की विशेषज्ञता को एनवीडिया के एआई मंच के साथ जोड़ता है जिसमें जीपीयू और सीपीयू के साथ सॉफ्टवेयर स्टैक भी शामिल हैं। बीएसई को दी गई जानकारी में एलएंडटी ने कहा कि यह उपक्रम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर एआई वर्कलोड का समर्थन करने के लिए आधुनिक डेटा सेंटर ढांचा तैनात करेगा।

एआई डेटा सेंटर फैक्ट्री बनाने की योजना

इस पहल के तहत उच्च घनत्व वाले और अगली पीढ़ी के कार्यभार के लिए गीगावाट स्तर की एआई डेटा सेंटर फैक्ट्री बनाने की योजना है जिससे कुशल और टिकाऊ विस्तार संभव हो सकेगा। इसके अंतर्गत चेन्नई में एलएंडटी के 300 एकड़ के विस्तृत परिसर में एनवीडिया जीपीयू क्लस्टर की क्षमता को बढ़ाकर 30 मेगावाट किया जाएगा और मुंबई में कार्यान्वित किए जा रहे नए 40 मेगावाट डेटा सेंटर में भी इसका विस्तार होगा।

ढांचा घरेलू जरूरतें पूरा करेगा

'भारत एआई मिशन' के अनुरूप, यह भारत के भीतर महत्वपूर्ण डेटा और मॉडल बनाने और तैनात करने के लिए संप्रभु एआई ढांचा तैयार करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भी काम कर सकेगा।यह 'सॉवरेन बाय-डिजाइन' ढांचा घरेलू जरूरतों के साथ-साथ उन वैश्विक क्लाउड प्रदाताओं और उद्यमों की जरूरतों को पूरा करेगा, जो भारत को एक रणनीतिक एआई केंद्र के रूप में देख रहे हैं।

बुनियादी ढ़ांचा बना रहे

एलएंडटी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रह्मण्यन ने कहा कि एनवीडिया के मंच और एलएंडटी की क्षमता के साथ हम ऐसा बुनियादी ढांचा बना रहे हैं जो एआई के जरिये बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा करेगा। एनवीडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने कहा कि एलएंडटी के साथ मिलकर हम विश्व स्तरीय एआई बुनियादी ढांचे की नींव रख रहे हैं, जो भारत के विकास को गति देगा और 'इंडिया एआई' के दृष्टिकोण को साकार करेगा।

कारोबार को बढ़ावा देने मेकमाईट्रिप इक्सिगो की ओपनएआई से साझेदारी

यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप और यात्रा मंच इक्सिगो ने अपने कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को बढ़ावा देने के लिए ओपनएआई के साथ सहयोग करने की बुधवार को घोषणा की। इसका उद्देश्य कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित यात्रा खोज को बेहतर तरीके से पहचानना तथा यात्रियों की इच्छा को समझकर उन्हें बुकिंग योग्य नतीजों में बदलना है।

जेनएआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा

यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब देश के यात्रा बुकिंग परिवेश में मंचों द्वारा जेनएआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और संवादात्मक उपकरणों, जैसे बातचीत आधारित सहायक के जरिये उपयोगकर्ताओं की मंशा समझकर उन्हें बुकिंग में तब्दील करने की कोशिश की जा रही है।

चैट बुकिंग में बदलनें में मदद मिलेगी

मेकमाईट्रिप ने बयान में कहा कि कंपनी अपने अनुप्रयोग में नई कृत्रिम मेधा सुविधाओं को सक्षम करने के लिए ओपनएआई के अनुप्रयोग प्रोग्रामिंग अंतरफलक का उपयोग करेगी। इससे यात्रियों को बातचीत से मिली प्रेरणा को सीधे मेकमाईट्रिप के 'मायरा' चैट सहायक के जरिये बुकिंग में बदलने में मदद मिलेगी।

50 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

इक्सिगो समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आलोक बाजपेयी और समूह-सह सीईओ रजनीश कुमार ने कहा, '' ओपनएआई के साथ हमारा सहयोग संगठन के भीतर और हमारे द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले 50 करोड़ से अधिक यात्रा उपभोक्ताओं के लिए एआई और 'एजेंटिक वर्कफ़्लो' के एकीकरण को गति देगा।''

निसान ने भारत में नई कार 'ग्रैवाइट' की पेश

- कंपनी की 2026 में विस्तार की योजना
- बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी

एजेंसी ▶▶| उदयपुर

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान ने भारत में अपनी नई कार 'ग्रैवाइट' मंगलवार को पेश की। कंपनी 2026 में ब्रांड के पुनरुत्थान के लिए कई नए वहान पेश करने और बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी में है। कंपनी फिलहाल देश में केवल एक मॉडल 'मैग्नाइट' बेचती है। उसने मंगलवार को अपना दूसरा मॉडल सात सीट वाली कार 'ग्रैवाइट' पेश की। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने यहां कहा, '' जब हम कहते हैं कि निसान भारत को लेकर प्रतिबद्ध है, तो ऐसे में 2026 सबसे महत्वपूर्ण है। यह भारत में निसान के ब्रांड पुनरुत्थान का वर्ष होगा। वत्स ने बताया कि 'ग्रैवाइट' के अलावा कंपनी इस वर्ष के दौरान एक 'टेकटन स्पोर्ट' यूटिलिटी वाहन और सात सीट वाले मध्यम श्रेणी का स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन भी लाने की योजना बना रही है। वत्स ने कहा, '' करीब 12 महीनों के भीतर हम तीन नए वाहन पेश करने जा रहे हैं।

कीमत 5.65 लाख से शुरू

कंपनी की योजना चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 250 करने की है। फिलहाल देश भर में कंपनी के लगभग 160 डीलर हैं। 'ग्रैवाइट' की कीमत 5.65 लाख से 8.49 लाख रुपये (एक्स शोरूम) के बीच है।

पहली छमाही में नए स्नातकों की भर्ती की योजना : रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- जनवरी से जून में 73 फीसदी नियोक्ता बना रहे योजना
- डिग्री की बजाय इंटर्नशिव व अनुभवी पर ज्यादा जोर

देश में जनवरी-जून, 2026 के दौरान 73 प्रतिशत नियोक्ता नए स्नातकों की भर्ती करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि अब भर्ती का निर्णय केवल डिग्री के बजाय इंटर्नशिप एवं वास्तविक परियोजना अनुभव पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

कौशल विकास एवं उद्योग-उन्मुख शिक्षा में सक्रिय फर्म टीमलीज एडटेक की जनवरी-जून, 2026 छमाही के लिए जारी रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेज से पढ़कर निकले युवाओं की भर्ती का इरादा पिछले छह माह की तुलना में तीन प्रतिशत अंक बढ़ा है। 'करियर आउटलुक रिपोर्ट' नवंबर, 2025 से जनवरी, 2026 के बीच भारत के विभिन्न शहरों एवं उद्योगों के 1,051 नियोक्ताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। क्षेत्रवार मांग के मामले में खुदरा क्षेत्र 91 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद ई-कॉमर्स एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप (90 प्रतिशत) तथा विनिर्माण (85 प्रतिशत) का स्थान है। खुदरा क्षेत्र में 'डार्क स्टोर असिस्टेंट' और 'इन्वेंट्री मैनेजमेंट असिस्टेंट' की मांग अधिक है।

ई-कॉमर्स एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में 'डिजिटल सेल्स एसोसिएट' और 'जूनियर वेब डेवलपर' पदों पर भर्ती हो रही है जबकि विनिर्माण में 'इन्वेंट्री एंड लॉजिस्टिक कोऑर्डिनेटर' और 'बैटरी असेंबली टेक्नीशियन' की मांग ज्यादा है।

अब अवसर बढ़ रहे

रूज ने कहा कि अवसर बढ़ रहे हैं, लेकिन अब पदों पर चयन अधिक चयनात्मक हो गया है। जिन उम्मीदवारों के पास इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो या व्यावहारिक अनुभव है, वे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं जबकि सिर्फ डिग्री वाले युवाओं को नौकरी पाने में अधिक समय लग रहा है।

जनवरी में भारत का डीओसी निर्यात 42 प्रतिशत घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- निर्यात घटकर 2,60,123 टन रह गया
- डीओसी का इस्तेमाल चारे के रूप में

सोयाबीन तेल-रहित खल (डी-आयल्ड केक या डीओसी) और रैपसीड डीओसी की निर्यात खेप में गिरावट की वजह से जनवरी में भारत का डीओसी निर्यात साल-दर-साल 42 प्रतिशत घटकर 2,60,123 टन रह गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जनवरी, 2025 में डीओसी निर्यात 4,52,352 टन का हुआ था।अप्रैल-जनवरी, 2025-26 के दौरान, डीओसी निर्यात एक साल पहले के इसी समय के 36 लाख टन से घटकर 32 लाख टन रह गया। डीओसी का इस्तेमाल जानवरों के चारे के तौर पर किया जाता है। जनवरी, 2026 में सोयाबीन डीओसी का निर्यात एक साल पहले के 286,287 टन से घटकर 1,32,440 टन रह गया, जबकि रैपसीड डीओसी निर्यात की खेप 1,31,641 टन से घटकर 64,782 टन रह गई। मूंगफली डीओसी का निर्यात भी 2,636 टन से घटकर 1,067 टन रह गया। चावल की भूसी निकालने का रुख उल्टा रहा, जो जनवरी, 2025 के सिर्फ 63 टन से बढ़कर 35,367 टन हो गया।

एसईए ने रैपसीड डीओसी में गिरावट की वजह पेराई गतिविधियों में कमी को बताया क्योंकि प्रसंस्करणकर्ता फरवरी और मार्च में होने वाली नई फसल की आपूर्ति का इंतज़ार कर रहे थे। कांडला में भारतीय रैपसीड डीओसी का भाव 20,300 रुपये प्रति टन था, जो नवंबर-दिसंबर 2025 में 18,500 रुपये था।

चीन, जर्मनी, कोरिया सबसे बड़े खरीदार

हालांकि, यह जनवरी के 21,617 रुपये के उच्चतम स्तर से नीचे था। डॉलर के हिसाब से, कांडला में भारतीय रैपसीड डीओसी की कीमत 235 डॉलर प्रति टन थी, जबकि हैम्बर्ग में यूरोपीय संघ मूल वाली डीओसी की कीमत 276 डॉलर प्रति टन थी। चीन, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश और जर्मनी भारतीय डीओसी के मुख्य

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 283 अंक चढ़ा

- बैंक, धातु एवं एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में रही खरीदारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मजबूत वैश्विक रुझान के बीच बुधवार को बैंक, धातु एवं एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 283 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 94 अंक की मजबूती रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 83,734.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 83,770.05 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 प्रतिशत बढ़कर 25,819.35 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सतर्क शुरुआत के बाद अंतिम घंटे में व्यापक खरीदारी से बाजार में तेजी आई। बैंकिंग एवं वित्तीय शेयर स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता की उम्मीदों के कारण मजबूत रहे, जबकि चुनिंदा एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी से बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''पीएसयू और धातु शेयरों में मजबूती के दम पर घरेलू शेयर बाजारों ने लगातार तीसरे दिन बढ़त दर्ज की। विदेशी संस्थागत निवेशकों के खरीदार बने रहने से भी बाजार धारणा में सुधार रहा।'' एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार पारंपरिक चंद्र नववर्ष अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजार दोपहर के कारोबार में तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

खंड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन,
कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल उमरिया मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 542 / ई-टेंडरिंग / 2025-26 दिनांक 13/2/2026

वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल उमरिया द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित -- 2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का नाम	अनुमानित मात्रा (प्रति वर्ग मीटर)	धरोहर राशि (रू.मे)	प्रदाय स्थल
1	**Providing PVC false Ceiling material with Fittings.** Providing and fixing 9mm PVC laminated false ceiling suspended with the frame work and accessories completed from the roof slab, beams etc. by means of aluminium angles, J bolts, Tee runners and edge trim etc. Cuting the openings for fixing light fittings, including cost of materails, labours, lead and lift finishing etc.	Per Sqft	15,000	वनमंडल उमरिया
2	**Providing WPC wall panel material with Fittings.** Supply and fixing of fluted WPC wall panelling Entire framing made from 12mm thick BWP grade Is 303 standard, WPC Fluted panel with 12mm thickness applied on 12 mm ply with required adhesive. All framing & Fluted WPC panels including cost of materails, labours, lead and lift finishing etc.	Per Sqft		
3	**Providing Gypsum Boards Material with fittings. Board thicknes :** Standard 12.5mm is common for residential, with options for 9mm, 12.5 mm and 15mm depending on fire/sound requirements. **Framework (GI) : Perimeter channels-** 0.55mm thick(20mmx30mm) fixed along walls at 600mm centers. **Intermediate Channels** -0.9mm thick (45mmx15mm) suspended from soffit. **Ceiling Sections** - 0.55mm thick (51.5mm x26mm) at 457 mm centers-to-centers. **Fixing:** Gypsum boards are screwed to ceiling sections; joints are taped and treated with 3 coats of compound. **Suspension**: GI ceiling angles (25mmx10mm 0.55mm) fixed to the soffit. **Installation Height :** Minimum 8.5 to 9 feet from the floo	Per Sqft		

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विचरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि :शुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते हैं ।2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 17/2/2826 बजे 10.30 AM से 24/02/2026 बजे 04.30 PM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते हैं। 3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी । 4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, सामाचार पत्रों में नहीं ।5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https//www.mptenders.gov.in

sd/-
G-26018/25 "स्वच्छता ही सेवा" वनमण्डलाधिकारी वनमण्डल उमरिया (म. प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर जबलपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-888 Date-19/02/2026 2026_UAD_482005_1	पं. मदन मोहन मालवीय वार्ड अंतर्गत कदम तलैया स्थित रामचरण क्लाथ स्थित नाली की बाउंड्रीबॉल निर्माण कार्य।	03 माह 3.43 लाख	2000/- 3434/-	06/03/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर
द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Pro-886 Date- 18/02/2026 2026_UAD_483310_1	संभाग क्रमांक 06 - डॉ राम मनोहर वार्ड में चण्डाल भाटा नगर निगम जबलपुर सार्व. शौचालय से श्री दुर्गा मंदिर मेन रोड तक नाली कवरिंग कार्य **(निगम मद)**	तीन माह 2.10/- लाख	2000/- 2101/-	05/03/2026
2	Pro-886 Date- 18/02/2026 2025_UAD_483310_2	संभाग क्रमांक 06 - अंतर्गत चेरीताल कॉजी हाउस मनमोहन होटल स्थित स्टाफ क्वार्टर में जुडाई प्लास्टर फर्श एवं अन्य कार्य **(निगम मद)**	तीन माह 6.34/- लाख	2000/- 6343/-	

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/122/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	20255022A	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग – कमीशनिंग ऑफ IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस सिस्टम	1029 सेट	06/03/2026
2	81265152	स्टोन 10V STD 10.23ODX6.00IDX3.25	2160 नंबर	06/03/2026
3	30252015	किट फॉर ब्रेक गियर बुशेस	813 सेट	09/03/2026
4	8125WCRTP-07	Manufacture एंड सप्लाई ऑफ 10125 mm Curved स्विचेस	448 सेट	10/03/2026
5	34253160	पेंट सिंथेटिक इनेमल, एक्सटेरियर फिनिशिंग ब्रशिंग कलर	138343 लीटर	09/04/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज

डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन
धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

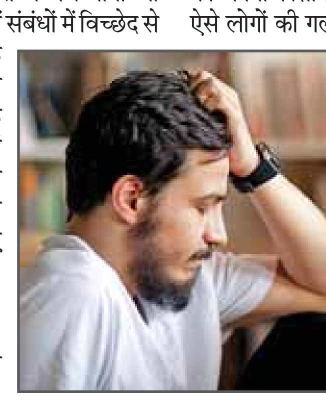

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन

रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस

रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

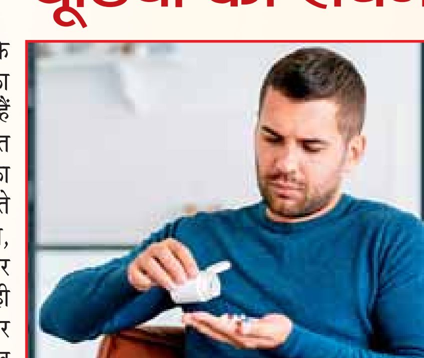

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

शुल्क जमा न होने पर छात्रा 10 वीं बोर्ड परीक्षा से वंचित

एबीवीपी का जानसन स्कूल में हल्ला बोल प्रदर्शन

जबलपुर। जबलपुर के नर्मदा रोड़ कटंगा स्थित जॉनसन हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को दसवीं कक्षा की एक छात्रा को फीस जमा न होने के कारण एडमिट कार्ड नहीं दिए जाने के आरोपों को लेकर छात्रा के परिजनों व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्कूल गेट पर प्रदर्शन किया । इस दौरान शाला प्राचार्य से मिलने की कोशिश की गई परंतु उनके स्कूल में न होने की जानकारी मिलने के बाद गेट पर ही नारेबाजी व धरना दिया गया। आरोप है कि स्कूल फीस जमा नहीं करने के चलते स्कूल प्रबंधन ने उक्त छात्रा को बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड नहीं दिया।
आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने स्कूल पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और विरोध जताते हुए स्कूल में ताला जड़ दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फीस के अभाव में छात्रा का भविष्य खतरे में डालना अनुचित है। बताया गया कि दसवीं कक्षा की छात्रा सानिया उइके की पारिवारिक आर्थिक स्थिति कमजोर है। उन्हेंने यह भी बताया कि छात्रा की मां घर-घर जाकर काम करती हैं, जिसके कारण वे समय पर फीस जमा नहीं कर पाईं। छात्रा को निःशुल्क ट्यूशन देने वाले शिक्षक पराग दीवान ने बताया कि छात्रा ने पूरे वर्ष अच्छी पढ़ाई की, लेकिन फीस बकाया होने के कारण उसे तिमाही, छमाही और अंततः वार्षिक परीक्षा में भी बैठने नहीं दिया गया। विद्यार्थी परिषद के जबलपुर महानगर महामंत्री आर्यन पुंज ने आरोप लगाया कि छात्रा के परिजन पूर्व में भी फीस के संबंध में प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे लेकिन उनसे मुलाकात नहीं कराई गई।
प्रदर्शनकारियों ने यह भी बताया कि प्राचार्य के शहर से बाहर होने का हवाला देकर उन्हें मिलने नहीं दिया गया और बिना प्राचार्य के ही विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने आरोपों को निराधार बताते हुए जानकारी दी कि छात्रा की लगभग 9 हजार रुपये फीस बकाया थी। स्कूल का कहना है कि प्राचार्य द्वारा छात्रों को एडमिट कार्ड वितरित किए गए थे और छात्रा को परीक्षा में बैठने के लिए कहा गया थि परंतु कई बार संपर्क करने के बाद भी छात्रा परीक्षा देने नहीं आई, जबकि अब फीस को लेकर प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी के माखनशर्मा आर्यन पुंज एश्वर्य सोनकर सहित सैंकड़ों छात्रा छात्राएं मौजूद थे।

बिजली आपूर्ति और तकनीकी आधुनिकीकरण पर रहेगा फोकस

अजय गुप्ता बने पूर्व क्षेत्र कंपनी के नए प्रबंध संचालक

जबलपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (2009 बैच) के अधिकारी अजय गुप्ता ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालने के पश्चात श्री गुप्ता ने कहा कि कंपनी का मुख्य उद्देश्य पूर्व क्षेत्र के सभी जिलों में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर आवश्यक सुधार किए जाएंगे।
श्री गुप्ता ने कहा कि आरडीएसएस सहित अन्य तकनीकी उन्ययन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से विद्युत अधोसंरचना का आधुनिकीकरण किया जायेगा। **AI/ML** आधारित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग से हर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा पर रियल-टाइम नजर रखी जाएगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और ठेकेदारों व फील्ड स्टाफ की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा। **GIS**/ एसेट मैपिंग के जरिए फीडर, ट्रांसफॉर्मर और नेटवर्क की सटीक स्थिति जानकर नेटवर्क सुदृढ़ीकरण, विद्युत अवरोध अनुमान और निवारक रखरखाव (**Preventive Maintenance**) को मजबूत किया जा सकेगा। इसका सीधा लाभ वितरण हानि में कमी एवं बेहतर विद्युत सप्लाई की जा सकेगी। श्री गुप्ता ने उपभोक्ता, ठेकेदार, कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों के लिए पारदर्शी, जवाबदेह, फीडबैक एवं शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया है।

कैंट में पांच हजार युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने का संकल्प

जबलपुर। युवक कांग्रेस ने आज गोकलपुर वार्ड में युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। बैठक में कैंट विधानसभा के हर बूथ में 'एक बूथ दस यूथ' में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का सुझाव रखा गया एवं कैंट विधानसभा में लगभग पांच हजार युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने का संकल्प लिया गया। इस तारतम्य में युवक कांग्रेस जल्द एक मुहिम का आयोजन करेगी जिसमें बूथ से लेकर वार्ड स्तर तक युवाओं को कांग्रेस की रीति-नीति से जोड़ने का कार्य किया जायेगा, जिसका शुभारंभ जल्द गोलकलपुर वार्ड से किया जाएगा और आने वाले चुनाव में युवक कांग्रेस पूरे दल-बल के साथ बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने का कार्य करेगी। आज की इस बैठक में विवेक दीक्षित, आकाश चक्रवती, अनुराग चौधरी, बॉबी कटारे, रोहित रजक, सोनू डबरा, जावेद खान आदि उपस्थित थे।

स्कूलों में निःशुल्क फर्स्ट ऐड किट का वितरण

विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर आयोजित कार्यक्रम

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से निःशुल्क फर्स्ट ऐड किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्कूल परिसर में किसी भी आकस्मिक चोट, दुर्घटना या स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय वाधवानी, एडवोकेट भावना निगम, एडवोकेट आशीष तिवारी, डॉ. अभिषेक जैन सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन को फर्स्ट ऐड किट सौंपते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और प्राथमिक उपचार की उपलब्धता से कई गंभीर स्थितियों को समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है।आपात स्थिति में त्वरित उपचारः चोट, कट, जलन, नाक से खून आना या हल्की बेहोशी में तुरंत सहायता। गंभीरता कम करने में सहायकः प्रारंभिक उपचार से संक्रमण या स्थिति बिगड़ने की संभावना कम। सुरक्षा का विश्वासः विद्यार्थियों और अभिभावकों में भरोसा कि विद्यालय में स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत सुविधा उपलब्ध है। शिक्षकों के लिए उपयोगीः प्रशिक्षित शिक्षक तुरंत प्राथमिक चिकित्सा देकर बच्चे को सुरक्षित रख सकते हैं। स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धिः बच्चों को प्राथमिक उपचार की बुनियादी जानकारी भी दी जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में संगठन के सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी अभियानों को जारी रखने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सराहनीय पहल के लिए संगठन का आभार व्यक्त किया।

चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर में लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया में तेजी

निगमायुक्त ने व्यापारियों से की सार्थक चर्चा, संपदा विभाग को दिए निर्देश

जबलपुर। चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों को जल्द ही लीज नवीनीकरण में राहत मिलने वाली है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने व्यापारियों से चर्चा कर प्रकरणों का सूक्ष्म परीक्षण कर शीघ्र नवीनीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए संपदा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में व्यापारियों ने लीज नवीनीकरण में आ रही तकनीकी समस्याओं से निगमायुक्त को अवगत कराया। निगमायुक्त ने सुनवाई कर त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान अपर आयुक्त वी.एन. बाजपेयी, संपदा अधिकारी शिवांगी महाजन एवं ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रक्रिया के दौरान व्यापारियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो।

हज यात्रियों के लिए टीकाकरण व प्रशिक्षण कैंप लगाया

जबलपुर। आज गोहलपुर स्थित ईडब्ल्यूएस स्कूल में जिला हज कमेटी द्वारा हज यात्रियों के लिए टीकाकरण एवं प्रशिक्षण कैंप लगाया गया जिसमें जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा टीकाकरण किया गया, इसके उपरांत हज यात्रियों को हाजी मजीद ने प्रशिक्षित किया एवं जिला हज कमेटी अध्यक्ष मकबूल अंसारी, हाजी मुजफ्फर हुसैन, जमील अंसारी, साबिर अंसारी, अयाज हाजी, मुबीन हाजी ने आजमीने हाजियों का फूल माला से स्वागत किया। हज कमेटी के अध्यक्ष मकबूल अंसारी ने समस्त चिकित्सकों एवं स्टाफ को धन्यवाद प्रेषित किया और देश और कौम की तरक्की के लिए दुआएं मांगी।

आदर्श आदिवासी ग्राम समिति ने खनिज अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

मानेगांव के ग्रामीणों ने खदान संचालन में अनियमितताओं और अधूरे वादों पर जताई नाराजगी

जबलपुर। आदर्श आदिवासी ग्राम समिति मानेगांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने सोमवार को जबलपुर पहुंचकर जिला कलेक्टर, खनिज अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी एवं नल-जल विभाग को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने खदान संचालन के दौरान कंसल्टेंसी परियोजना परामर्श अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासनों के पालन नहीं होने का आरोप लगाया। समिति के अध्यक्ष बी.एल. मरकाम, उपाध्यक्ष विनोद कॉल, सचिव किशन मरावी एवं दसवीं सलाम ने बताया कि ग्राम मानेगांव, पंचायत मुंगेली (बरगी) में खदान प्रारंभ होने से पूर्व ग्रामीणों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा किया गया था। इनमें खदान क्षेत्र की तार फेंसिंग, स्कूल एवं आंगनबाड़ी परिसर के आसपास वृक्षारोपण, परिवहन मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव, सड़क मरम्मत एवं नाली सफाई, वायु प्रदूषण रोकने के लिए नए वाहनों का उपयोग तथा मासिक मॉनिटरिंग शामिल थी। ग्रामीणों का आरोप है कि ये सभी आश्वासन आज तक धरातल पर पूरे नहीं हुए हैं, जिससे गांव में धूल, प्रदूषण और यातायात संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर संबंधित विभागों द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामवासी खदान से जुड़े वाहनों का गांव में प्रवेश रोक देंगे तथा खदान संचालन पर भी विरोध दर्ज कराएंगे।ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष बी.एल. मरकाम, उपाध्यक्ष विनोद कॉल, सचिव किशन मरावी, कोषाध्यक्ष दसवीं सलाम, मेर सिंह, अनिल, ईश्वर, शिवचरण, राम भरोसे, हरि कड़िया, बिंदु गोमती बाई, गीता बाई, शिवकली बाई, आशा बाई, रामकली बाई, राम मरकाम, अखिलेश मरकाम, संजू जितेंद्र, वीरेंद्र, समीर, अशोक, हल्केलाल, किरण सिंह, राजेश नामदेव, अमरनाथ यादव, रजनी झरिया, रमेश प्रसाद कोरी, सोहनलाल, रामप्रसाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों की झांकियों का हुआ समापन

जबलपुर। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में बी.टी. तिराहा स्थित छोटी बजरिया गढ़ा शिव दर्शन केंद्र में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग की भव्य एवं मनोहर झांकियों का समापन विगत दिवस श्रद्धा भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों ने ब्रम्हाकुमारी सेंटर पहुंचकर द्वादश ज्योतिर्लिंग झांकियों के दर्शन कर व महाआरती में हिस्सा लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गढ़ा सेंटर की संचालिका ब्रम्हाकुमारी मीना व ज्योति बहन के संयोजन में आयोजित इस भव्य आयोजन में पूरे परिसर में ऊं शांति के उद्घोष के साथ सेवा एवं समर्पण का अनुपम दृश्य देखने को मिला। उपस्थित संतगणों ने अपने आशीर्वचनों में धर्म संस्कृति एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ बनाए रखने का संदेश देते हुए सभी को सेवा और सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। ब्रम्हाकुमारियों द्वारा आयोजित यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं सनातन संस्कृति के गौरव का प्रतीक बना। इस 14 दिवसीय कार्यक्रम के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि महंत योगी राजेश्वरानंद महाराज एवं आचार्य पंडित शिव गणेश गौतम उपस्थित रहे। श्री परशुराम सर्व ब्राम्हण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर अरुण मिश्रा, संभागीय अध्यक्ष पंडित यदुवंश मिश्रा के साथ शशि चड्डा, ललिता देवी सिंह, सरोज विश्वकर्मा, सुनीता मिश्रा, एडवोकेट रामकिशोर शिवहरे, विनोद चौबे, सरदार बलराज सिंह, प्रकाश चौबे, जगदेव पटेल, संतोष चक्रवर्ती, वीरेंद्र भाई, विक्रांत तरुण, देवसिंह उइके उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल निर्देशन शिव शक्ति गढ़ा सेवा केंद्र की संचालिका मीना व ज्योति बहन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी.के. वीरेंद्र भाई ने तथा आभार प्रदर्शन ज्योति बहन ने किया। इस दौरान भारी संख्या में ब्रह्मा कुमार भाई, बहन एवं क्षेत्रीय जनमानस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट 'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' से होंगे सम्मानित

31वां अरुणोदय पुरस्कार समारोह कल, पत्रकारिता जगत में उत्साह

हरिभूमि जबलपुर।

शहर के वरिष्ठ और सम्मानित पत्रकार चैतन्य भट्ट को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन, निष्पक्ष और जनपक्षधर योगदान के लिए कल आयोजित होने वाले 31वें 'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान पत्रकारिता के मूल्यों, सामाजिक सरोकारों और निर्भीक लेखन परंपरा को आगे बढ़ाने वाले पत्रकारों को समर्पित है।

चार दशक से अधिक का सक्रिय पत्रकारिता अनुभव-

चैतन्य भट्ट का पत्रकारिता जीवन चार दशक से अधिक समय तक सक्रिय और प्रभावशाली रहा है। उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं में संवाददाता, स्तंभकार और संपादक के रूप में कार्य किया। संपादन कार्य के दौरान उन्होंने न केवल खबरों की गुणवत्ता और तथ्यात्मकता पर बल दिया, बल्कि युवा पत्रकारों को मार्गदर्शन भी प्रदान किया।उनकी लेखनी सामाजिक न्याय, प्रशासनिक पारदर्शिता, ग्रामीण समस्याओं, शिक्षा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे विषयों पर केंद्रित रही है। अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उन्होंने अपने विश्लेषण और रिपोर्टिंग के माध्यम से सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया।

जनसरोकारों की आवाज

चैतन्य भट्ट की पहचान एक निर्भीक और संतुलित पत्रकार के रूप में रही है। उन्होंने सत्ता और व्यवस्था से जुड़े विषयों पर तथ्यात्मक रिपोर्टिंग करते हुए आम नागरिक की आवाज को मंच दिया। कई बार उनकी रिपोर्टों ने प्रशासन को निर्णय लेने और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

31वां अरुणोदय पुरस्कार

'अरुणोदय वरिष्ठ पत्रकारिता सम्मान' का यह 31वां संस्करण है। आयोजन समिति के अनुसार, यह सम्मान उन पत्रकारों को दिया जाता है जिन्होंने पत्रकारिता के उच्च आदर्शोंनिष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक प्रतिबद्धताको अपने कार्य में आत्मसात किया है।समारोह में शहर के प्रबुद्धजन, वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान सम्मान पत्र, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर चैतन्य भट्ट का अभिनंदन किया जाएगा।

पत्रकारिता जगत में हर्ष

चैतन्य भट्ट को यह सम्मान मिलने की घोषणा के बाद पत्रकारिता जगत में हर्ष का वातावरण है। सहकर्मी पत्रकारों और सामाजिक संगठनों ने इसे जनपक्षधर और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता की सराहना बताया है।यह सम्मान न केवल चैतन्य भट्ट के व्यक्तिगत योगदान की स्वीकृति है, बल्कि नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का माध्यम है।

इनका भी किया जायेगा सम्मान

पत्रकार राजकुमार रैकरवार, आलोक बैनर्जी, लाली कोष्टा, आशीष रैकवार, राजेन्द्र पांडे, शिव चौबे, द्रष्टि जैन और श्रीमति सुशीला शुक्ला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार अभिलाषा मेहरा और दुर्गा चौहार का सम्मान किया जायेगा।

अस्पताल से मरीज के लाखों के जेवर चोरी

जबलपुर। गोहलपुर थानान्तर्गत कल एक निजी अस्पताल में अपनी मां का ईलाज कराने आये कटनी के एक युवक ने मरीज के जेवर उतार कर थैले में रख दिए थे। जिसे युवक ने केजुआलटी वार्ड के बाहर वेटिंग हॉल में रखा था इस दौरान युवक अपनी मां का उपचार कराने में व्यस्त हो गया जब वह देर रात थैला लेने वेटिंग हॉल पहुंचा तो वहां से थैला गायब था। किसी ने लाखों के जेवरों से भरा थैला पार कर दिया था। गोहलपुर पुलिस ने घटना के संबंध में बताया कि स्लीमनाबाद कटनी निवासी शिवम अग्रहरि कल अपनी मां के अचानक सीने में दर्द होने पर ईलाज के लिए दमोहनाका स्थित मेट्रो अस्पताल आया था । इस दौरान शिवम ने डाक्टर के कहने पर अपनी मां के जेवर उतारकर एक थैले में रख दिए थे। थैले को उसने वेटिंग हॉल में रख दिया था। इस दौरान शिवम अपनी मां के ईलाज में व्यस्त हो गया रात लगभग साढे बारह बजे उसने लौटकर देखा तो वेटिंग हॉल में जेवरों से भरा थैला गायब था।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/239
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती संगीता जैन पति श्री जितेन्द्र कुमार जैन (2) श्रीमती समीक्षा दिवाकर पति श्री आदित्य दिवाकर (3) श्री जितेन्द्र कुमार जैन पिता श्री कोमल चंद जैन (4) आदित्य दिवाकर पिता जितेन्द्र कुमार जैन ने मकान नं. 816-817 का भाग वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी खुली भूमि 5023 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/233
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेंद्र मिश्रा पिता श्री शिव मूर्ति मिश्रा ने मकान नं. 1172/2सी वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 750 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/234
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रियांशु गुप्ता पिता श्री फूलचंद गुप्ता ने मकान नं. 856/4thA-410 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान चतुर्थ तल 786 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/235
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेश कुमार साहू पिता स्व. श्री गनेश प्रसाद साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 3387.5 व.फु., भूतल 1716+517 व.फु., प्रथम तल 1716 व.फु. शापथापत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र/लीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/236
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश कुमार साहू पिता स्व. श्री गनेश प्रसाद साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 2537.5 व.फु., भूतल 994+600 व.फु., प्रथम तल 994 व.फु. शपथपत्र / मृत्यू प्रमाणपत्र / लीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/237
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती बबीता साहू पति स्व. श्री मुकेश कुमार साहू (2) श्री मयंक साहू पिता स्व. श्री मुकेश कुमार साहू ने मकान नं. 78 का भाग वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान क्षेत्रफल 1975 व.फु., भूतल 994+600 व.फु., प्रथम तल 994 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/238
दिनांक :- 18/02/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अनीश जैन पिता स्व. श्री आनंद कुमार जैन ने मकान नं. 525/बी-2 वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 656 व.फु., भूतल 499 व.फु., प्रथम तल 450 व.फु. शपथपत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर